अब बेव पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 248 लखनऊ, शनिवार, 28 मार्च 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

केंद्र ने पेट्रोल-डीजल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 10 रुपये प्रति लीटर घटाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के बीच बीच आम जनता को राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 10 रुपये प्रति लीटर घटा दिया है। सरकार ने पेट्रोल पर इसको 13 रुपये प्रति लीटर से घटाकर अब 3 रुपये प्रति लीटर कर दिया है, जबकि डी.ज़ल पर इसको 10 रुपये प्रति लीटर से घटाकर शून्य (0) कर दिया है। नई दरें शुक्रवार से लागू हो गई हैं। वित्त मंत्रालय की आज जारी अधिसूचना के अनुसार पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क 13 रुपये प्रति लीटर से घटाकर तीन रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है जबकि डीजल पर यह शुल्क पहले के 10 रुपये से घटाकर शून्य कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री आज को करेंगे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के फ़ेज-1 का लोकार्पण

लखनऊ। देश के सबसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में शामिल नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का पहला चरण लोकार्पण के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को इसके फ़ेज-1 का लोकार्पण करने के साथ ही एयरपोर्ट के कार्गो टर्मिनल का भी उद्घाटन करेंगे और मेंटिनेंस, रिपेयर एवं ओवरहालिंग (एमआरओ) सुविधा का शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे।

उप्र में सज्जनों का संरक्षण, दुर्जनों के लिए जीरो टॉलरेंस : योगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन अनुष्ठान : मुख्यमंत्री योगी ने नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में सुरक्षा के बेहतर माहौल के साथ सरकार रामराज्य की अवधारणा को साकार कर रही है। यहां हर सज्जन शक्ति का संरक्षण है, लेकिन दुर्जन के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाती है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए संवेदना है, लेकिन भ्रष्टाचार व भ्रष्टाचारियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है। यूपी में विरासत का सम्मान है और विकास की गारंटी भी।

गोरखनाथ मंदिर में शुक्रवार को कन्या पूजन के बाद प्रदेशवासियों को वासंतिक नवरात्रि की नवमी तिथि एवं श्रीरामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में रामराज्य की अवधारणा से बिना भेदभाव शासन की योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। पिछले 11 वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में 06 करोड़ से अधिक व्यक्तियों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाकर उन्हें सम्मानजनक जीवनयापन करने के अवसर प्रदान किए गए हैं। हर क्षेत्र में विकास के साथ प्रदेश में 02 करोड़ 61 लाख गरीबों को शौचालय, 65 लाख परिवारों को पीएम-सीएम आवास योजना का लाभ मिला है। लगभग 10 करोड़ लोगों को पीएम-सीएम जन आरोग्य योजना में 05 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर उपलब्ध कराया गया है। 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन की सुविधा दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चैत्र शुक्ल नवमी, वासंतिक नवरात्रि की सिद्धि प्रदान करने वाली, सुख-समृद्धि और सर्वत्र खुशहाली प्रदान करने वाली पावन तिथि है। वासंतिक नवरात्रि की नवमी तिथि पर मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम का पावन जन्मोत्सव भी रामनवमी के रूप में मनाया जाता है। प्रभु श्रीराम भारत के सनातन धर्म की परंपरा में भारतीय जीवन पद्धति के एक अत्यंत पवित्र आदर्श के रूप में हर सनातन धर्मावलंबी के लिए सदैव से प्रेरणा रहे हैं। जीवन के हर क्षेत्र में प्रभु श्रीराम का आदर्श जीवन चरित्र सबको प्रेरणा प्रदान करता है।

प्रभु श्रीराम से प्रेरणा लेने वाले हर भारतीय को आज सुखद अनुभूति

सीएम योगी ने कहा कि प्रभु श्रीराम के पावन जीवन चरित्र से प्रेरणा लेने वाला हर भारतीय आज सुखद अनुभूति कर रहा है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के उपरांत 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर-कमलों से रामलला की भव्य-दिव्य प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न हो चुका है। राम दरबार में प्रभु श्रीराम, माता जानकी, भरत जी, लक्ष्मण जी, शत्रुघ्न जी के साथ पवनसुत हनुमान जी विराजमान हो चुके हैं। 25 नवंबर 2025 को पीएम मोदी ने भव्य राम मंदिर में भारत के सनातन धर्म के प्रतीक केसरिया ध्वज के आरोहण का कार्य भी संपन्न किया था।

नवरात्रि मातृशक्ति के प्रति सनातन धर्म की श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक

सीएम योगी ने कहा कि सनातन धर्म के सभी व्रत और पर्व हम सबको जीवन में संकल्पित होने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा प्रदान करते हैं। वासंतिक हो या शारदीय नवरात्रि, यह मातृशक्ति के प्रति सनातन धर्म की श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक है। इसी को ध्यान में रखकर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार मिशन शक्ति के माध्यम से नारी शक्ति की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए कार्यक्रम संचालित कर रही है। मातृ वंदना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे कार्यक्रमों के साथ ही यूपी में उत्तर प्रदेश पुलिस बल में 20 फीसदी महिला आरक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उत्तर प्रदेश पुलिस बल में वर्तमान में 44,000 से अधिक महिला पुलिस अधिकारी और कार्मिक सफलतापूर्वक इस अभियान को आगे बढ़ाकर महिला सुरक्षा और स्वावलंबन में योगदान दे रही हैं।

श्रीराम नवमी पर भगवा यात्रा आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर श्री भगवा यात्रा आयोजन समिती द्वारा विगत वर्ष की भांती कपूरथला अलीगंज से यात्रा प्रारम्भ हुई व इस वर्ष भी भगवा यात्रा का भव्य स्वागत लखनऊ के प्रसिद्ध चौक चौराहे पर मराठी समाज उत्तर प्रदेश के द्वारा संस्थापक प्रदेशाध्यक्ष उमेश पाटील जी के नेतृत्व भव्य स्वागत किया गया, जिसमे फुलो की वर्षा की गयी, पानी और फल वितरित किये गये चौक चौराहे का पुरा क्षेत्र जय श्रीराम के नारो से गुंज उठा द्य यात्रा मे हजारो की संख्या मे भगवा ध्वज लेकर यात्री सहभागी हुए। इस कार्यक्रम मे मराठी समाज उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ महामंत्री गजानन माने पाटील जी, संरक्षक भानदास पाटील ,महामंत्री सचिन माळी, संघटन मंत्री विकास पाटील कोषाध्यक्ष सागर जाधव ,विष्णू चव्हाण ,प्रफुल पाटील ,किसन डिसले ,वैभव मोहिते सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बेवजह की किल्लत में अफवाहों का तड़का

अभयानंद शुक्ल, कार्यकारी सम्पादक

● पैनिक बाइंग के चलते देश में आया कृत्रिम पेट्रोलियम और गैस संकट

लखनऊ। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण भारत में आए कथित पेट्रोलियम संकट का मूल कारण पेट्रोलियम पदार्थों की अनुपलब्धता नहीं बल्कि अफवाहों और जमाखोरों के रैकेट का सक्रिय होना और अफवाहों का बाजार गर्म होना है। जब इस देश के लोग 50 लाख सिलेंडर प्रतिदिन की मांग की जगह 90 लाख सिलेंडर की बुकिंग शुरू कर देंगे तो किल्लत तो दिखेगी। फिर उसके लिए मारामारी भी दिखेगी। जब रात में गाड़ी की टंकी फुल कराकर जाने वाले लोग उसी टंकी को खाली कर फिर सुबह पेट्रोल पंप पर लाइन लगाकर खड़े हो जाएंगे तो भी किल्लत दिखेगी। जब लोग पेट्रोल, डीजल लेने के लिए पानी वाली 500 लीटर की टंकी, कुकर, पानी की बोतल लेकर पेट्रोल पंप पर लाइन लगाकर खड़े हो जाएंगे तो अव्यवस्था फैलेगी और किल्लत भी दिखेगी। रहा सवाल विपक्षी पार्टियों का, तो उनको तो किसी भी तरह मोदी सरकार को असफल साबित करना है, इसके लिए उन्हें जो भी करना पड़े, तो वे करेंगे।

ये अलग बात है कि विपक्ष के ही एक नेता और जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का कुछ और ही सोचना है। उनका साफ कहना है कि देश में न तो सिलेंडर की कमी है और न ही अन्य पेट्रोलियम पदार्थों की। पर अगर सब लोग अफवाहों के चलते पेट्रोल पंप पर लाइन लगाकर खड़े हो जाएंगे तो हमें भी मजबूरन पेट्रोल पंप बंद करने पड़ेंगे। वे बार-बार कहते हैं कि देश में न तो कुकिंग गैस की कमी है और न पेट्रोल, डीजल की। फिर भी लोग बेवजह अफवाह फैलाकर पैनिक क्रिएट कर रहे हैं। वैसे इस संकट से निजात पाने के लिए केंद्र सरकार ने देश के सभी मुख्यमंत्री से बातचीत की है। इसके अलावा केंद्र सरकार ने पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी भी घटाकर दस रुपए से घटाकर तीन रुपए कर दी है। इसके अलावा डीजल पर तो शून्य ही कर दिया है ताकि पेट्रोलियम के दाम न बढ़ें।

इस कृत्रिम संकट के समय, जो कि एक वैश्विक संकट के चलते आया है, अफवाह फैलाने वाले भी सक्रिय हैं। जनता को भी चाहिए कि ऐसे लोगों को चिन्हित कर उनकी सूचना प्रशासन और पुलिस को दें ताकि उन पर कारवाई की जा सके। क्योंकि देश की जनता जब प्रतिदिन 50 लाख सिलेंडर पर ही बहुत स्मूथली अपना काम चला रही थी तो अचानक मांग 90 लाख सिलेंडर तक कैसे पहुंच गयी। इसका मतलब है कि कहीं न कहीं कुछ लोचा है। सरकार और व्यवस्था को इन्हीं सब पर नियंत्रण करना है, नहीं तो बेवजह का पैनिक क्रिएट होगा और संकट बढ़ सकता है। जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हमारा भी फर्ज है कि हम बेवजह पैनिक क्रिएट न करें और जरूरी हो तभी पेट्रोल पंप पर जाएं और सिलिंडर के लिए लाइन लगाएं। आनलाइन बुकिंग के बाद जब कैशमेमो और डीएसी जेनरेट हो जाए और किन्हीं कारणों से यदि सिलिंडर घर नहीं आता है तभी गैस एजेंसी पर जाएं। उसके पहले यह भी चेक कर लें कि आपने अपनी केवाईसी करा ली है या नहीं।

इसी तरह अगर किसी का काम पहले ?50 के पेट्रोल से चल जाता था तो वह भी बेवजह टंकी फुल करा रहा है और फिर उसे कहीं खाली करके फिर पेट्रोल की लाइन में खड़ा हो जा रहा है। और ऐसा करके भी वे अफवाहों को जन्म देते हैं, अव्यवस्था पैदा करते हैं। जो देश हित में कतई नहीं है।

वैसे सरकार का भी दावा है कि उसके पास इस समय 60 से 70 दिनों से अधिक का रिजर्व स्टॉक है। इसलिए न तो पेट्रोल और डीजल की दिक्कत है और न ही एलपीजी की। और हां, अगर सरकार कहती है कि हमें एलपीजी छोड़कर पीएनजी की ओर जाना चाहिए तो इसमें भी बुराई नहीं है। ऐसे लोग जिनके आसपास पीएनजी लाइन गुजर रही है, उन्हें तत्काल सरकार के सुझाव को मानते हुए पीएनजी कनेक्शन ले लेना चाहिए। इससे उनकी एलपीजी किसी जरूरतमंद के काम आ सकती है। सरकार को भी चाहिए कि जमाखोरों पर निगाह रखें, और सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाली खबरों को बैन कर दें।

इस किल्लत में सोशल मीडिया पर चलने वाली अफवाहें भी अपना काम कर रही हैं और लोगों को पैनिक क्रिएट करने को मजबूर कर रही हैं। ऐसे में अगर सरकार मुतमईन है कि उसके पास डीजल-पेट्रोल और गैस की कमी नहीं है तो उसे तत्काल अफवाहों से जुड़ी खबरों पर बैन लगा देना चाहिए। इसके लिए जरूरी हो तो सोशल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को भी ऐसी खबरें चलाने से बचने की सलाह देनी चाहिए। हो सकता है कि कुछ जगहों पर ऐसी दिक्कत हो भी, लेकिन ऐसी खबरें चल जाने से ऐसा प्रतीत होता है कि पूरे देश में किल्लत है। जिसके चलते पैनिक क्रिएट हो रहा है। इसलिए सरकार को जमाखोरों पर निगाह रखनी चाहिए और सोशल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर खबरें चलाने के पहले पूरी सतर्कता बढ़ाने की एडवाइजरी जारी करना चाहिए। इसके अलावा पेट्रोल पंपों पर प्रतिदिन जाने वाले गाड़ियों पर भी निगाह रखें, क्योंकि रात को पेट्रोल भरा कर रात में ही उसे खाली करके सुबह वे गाड़ियां फिर पेट्रोल पंपों पर लग जा रही हैं, और ऐसा करके जमाखोरी की जा रही है, जो वास्तविक जरूरतमंदों के हितों पर भी कुठाराघात है।

नव निर्माण के 09 वर्ष में एमएसएमई : 96 लाख इकाइयों के साथ में देश में नंबर-1 उत्तर प्रदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- एमएसएमई का हब बना उत्तर प्रदेश, 9 वर्षों में छोटे उद्योगों से बड़े विकास की लिखी कहानी
- योजनाओं के दम पर करोड़ों लोगों को मिला रोजगार, गांव से ग्लोबल मार्केट तक पहुंचा यूपी का हुनर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में बीते 09 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम की है। आज प्रदेश 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयों के साथ देश का सबसे बड़ा औद्योगिक हब बन चुका है। यह केवल आंकड़ों की उपलब्धि नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में आए आर्थिक बदलाव और आत्मनिर्भरता की कहानी है।

उत्तर प्रदेश ने एमएसएमई सेक्टर को अपनी आर्थिक रीढ़ के रूप में विकसित किया है। 96 लाख से अधिक इकाइयों के माध्यम से प्रदेश न केवल देश में प्रथम स्थान पर है, बल्कि यह क्षेत्र बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का आधार भी बन चुका है। छोटे उद्योगों को आसान वित्त, प्रशिक्षण और बाजार उपलब्ध कराने के लिए नीतिगत सुधारों ने इस सेक्टर को मजबूती दी है। युवाओं को रोजगार देने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाएं प्रभावी रूप से लागू की गई हैं। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत अब तक 1,47,312 युवाओं को लाभान्वित किया गया है, जिससे 4,51,775 रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। सरकार का लक्ष्य हर वर्ष 01 लाख नई सूक्ष्म इकाइयां स्थापित करना है, जिससे रोजगार का दायरा और बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत 37,280 लाभार्थियों को 94,086 लाख रुपये की मार्जिन मनी प्रदान की गई है, जिससे 2,98,240 लोगों को रोजगार मिला है। इसी तरह, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत 32,936 लाभार्थियों को 1,10,550 लाख रुपय की सहायता दी गई, जिससे 2,63,488 रोजगार सृजित हुए हैं। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना ने उत्तर प्रदेश के पारंपरिक उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। इस योजना के तहत 20,396 लोगों को 90,364 लाख रुपये की मार्जिन मनी प्रदान की गई, जिससे 3,26,473 रोजगार सृजित हुए। वहीं, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के माध्यम से पारंपरिक कारीगरों (बढ़ई, दर्जी, लोहार, कुम्हार, बुनकर, सुनार, नाई आदि) को सशक्त बनाया गया है। वर्ष 2019 से संचालित इस योजना के तहत अब तक 4,20,540 लोगों को प्रशिक्षण और आधुनिक टूलकिट प्रदान की गई है, जिससे उनकी आय और उत्पादकता में वृद्धि हुई है। सरकार अब ओडीओपी से प्रेरित 'एक जनपद एक व्यंजन (ओडीओसी)' पहल के जरिए हर जिले को उसके पारंपरिक व्यंजन के आधार पर नई पहचान देने की दिशा में काम कर रही है, जिससे स्थानीय रोजगार और पर्यटन दोनों को बढ़ावा मिलेगा। औद्योगिक आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए वर्ष 2023 में प्लेज स्कीम उत्तर प्रदेश में लागू की गई, जिसका उद्देश्य उद्योगों के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित करना है। इसके साथ ही प्रत्येक जनपद में सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लायमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन स्थापित करने का निर्णय लिया गया है, जिससे स्थानीय स्तर पर उद्योगों का विस्तार होगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए प्रदेश में बनेंगे 6 आधुनिक छात्रावास, 6.15 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- पीएम-अजय योजना के तहत जौनपुर, फिरोजाबाद, सुल्तानपुर व हाथरस में निर्माण

लखनऊ। प्रदेश सरकार प्रदेश के अनुसूचित जाति के छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण आवासीय शैक्षणिक सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सहयोग से समाज कल्याण विभाग की ओर से प्रदेश में छह छात्रावासों के निर्माण और मरम्मत का काम जल्द किया जाएगा। प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-अजय) के तहत बनने वाले ये छात्रावास आधुनिक कैंपस के रूप में विकसित होंगे। वित्तीय वर्ष 2025-26 में छात्रावासों के लिए कुल 12.30 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है, जिसमें से 6.15 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी कर दी गई है।

समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार अनुसूचित जाति के छात्र-छात्राओं को शिक्षा के सर्वोत्तम अवसर प्रदान करने के लिए संकल्पित है। हमारा प्रयास है कि दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले होनहार छात्रों को रहने की कोई असुविधा न हो। इन छात्रावासों को केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि एक आधुनिक 'लर्निंग हब' के रूप में विकसित किया जा रहा है। आधुनिक सुविधाओं से होगा लैसयोजना के तहत जौनपुर, सुल्तानपुर और हाथरस जिलों में एक-एक और फिरोजाबाद में तीन बालक और बालिका छात्रावासों का निर्माण किया जाएगा। इन भवनों में छात्रों के लिए सुसज्जित कक्ष, एक आधुनिक मेस, मनोरंजन कक्ष, एक समृद्ध पुस्तकालय और सुरक्षा के लिए गार्ड रूम के साथ-साथ छात्रावास अधीक्षक का आवास भी परिसर में ही होगा। पारदर्शिता का रखा गया ध्याननिर्माण कार्य में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए धनराशि को एसएनए (स्पर्श) खाते के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य को तेजी और गुणवत्ता के साथ पूरा कराया जाएगा, ताकि छात्र-छात्राओं को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

शिया मुसलमानों ने सऊदी अरब के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद शिया मुसलमानों ने सऊदी अरब के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। आसिफी मस्जिद में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने सऊदी हुकूमत के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। सऊदी प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की तस्वीर जलाकर विरोध जताया। भीड़ ने अमेरिका, इजरायल और सऊदी अरब के खिलाफ नारे भी लगाए। इस दौरान जन्नतुल बकी कब्रों के पुनर्निर्माण की मांग भी उठाई। बवाल की आशंका को देखते हुए बड़े इमामबाड़ा के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात की गई। सऊदी अरब के शहर मदीना में स्थित जन्नतुल बकी का कब्रिस्तान है। वहां पर पैगंबर-ए- इस्लाम की बेटी हजरत फातिमा जेहरा की कब्र को सऊदी शासन ने ध्वस्त कर दिया था। इसी को लेकर प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन किया। वहीं मजारों के दोबारा बनाने की मांग की। इसके लिए शिया मुसलमान सऊदी हुकूमत के खिलाफ हर साल आज के दिन दिन प्रदर्शन करते हैं। शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद ने प्रदर्शन कर रहे शिया मुसलमानों से कहा जन्नतुल बकी शिया अकीदे के लिहाज से सबसे अहम कब्रिस्तान है। इस दौरान लोगों ने सऊदी हुकूमत मुर्दाबाद के नारे लगाए। मौलाना कल्बे जव्वाद ने सऊदी शासन की कड़े शब्दों में निंदा की। जब तक सऊदी अरब जन्नतुल बकी कब्रिस्तान में स्थित पैगम्बर-ए-इस्लाम की पुत्री और उनके नातियों की कब्रों को फिर से निर्माण नहीं करवा देता। तब तक हम इसी तरह सऊदी शासन के खिलाफ हर साल प्रदर्शन करते रहेंगे। मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा- सऊदी अरब ने हमेशा अमेरिका और इजरायल जैसे देशों का साथ दिया है, जिन्हें वह इस्लाम का दुश्मन बताते हैं। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब के शेखों की माताएं यहूदी और क्रिश्चियन धर्म से थीं, इसलिए वह उन्हें मुसलमान नहीं मानते। उनका आरोप है कि सऊदी अरब ने कभी भी मुसलमानों या मुस्लिम देशों का साथ नहीं दिया। गाजा पट्टी में लाखों मुसलमान बर्बाद हो गए, एक भी इमारत सही नहीं बची, फिर भी ये लोग खामोश रहे। 70 हजार लोगों की मौत हो गई, लेकिन किसी ने नहीं बोला। सऊदी अरब की रगों में यहूदी और ईसाई खून दौड़ रहा है, इसलिए उन्हें मुसलमानों से कोई हमदर्दी नहीं है। यहां के कुछ मौलवी और मौलाना सऊदी अरब से पैसा लेते हैं। ईरान को लेकर कहा- उस पर हो रहे जुल्म के खिलाफ भारत में लोगों ने बढ़-चढ़कर आवाज उठाई और मदद की। ईरान ने भले ही मदद नहीं मांगी, लेकिन भारत के लोगों ने, जिनमें हिंदू भाई भी शामिल थे, आगे बढ़कर सहयोग किया। ईरान से भारत के लिए जो तेल और गैस आ रही है, वह सरकार की वजह से नहीं, बल्कि यहां की जनता के समर्थन का परिणाम है। भारतीय सरकार ने तेल नहीं दिलाया, बल्कि यह जनता की जीत है। पूरे भारत में अयातुल्लाह का गम मनाया गया और यहां से मदद भेजी गई, जिसके बदले तेल मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदू महिलाओं ने अपने कानों की बालियां और जेवर तक दान कर दिए, जो बड़ी बात है। भारत अमेरिका और इजराइल का समर्थक है, जबकि ईरान भारत का साथ दे रहा है। इस युद्ध में पाकिस्तान द्वारा मध्यस्थता के दावे पर उन्होंने कहा कि यह गलत है।कल्बे जव्वाद कहते हैं कि पाकिस्तान जैसे देश, जिस पर आतंकवाद के आरोप लगते रहे हैं, वह मध्यस्थता की भूमिका नहीं निभा सकता।

रामनवमी पर संगत बाबा आश्रम में कन्या पूजन बेटियों के सम्मान का दिया संदेश

लखनऊ। ठाकुरगंज स्थित संगत बाबा हजाराबाग उदासीन आश्रम में रामनवमी पूरी श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी हरि प्रकाश और महंत स्वामी हरेंद्र मुनि ने कन्या पूजन का भव्य आयोजन किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पूरे आश्रम परिसर में धार्मिक वातावरण बना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसमें भगवान श्रीराम का स्मरण करते हुए भक्तों ने मंगल कामनाएं की। इसके बाद कन्या पूजन की परंपरा निभाई गई, जिसमें छोटी बालिकाओं को देवी का स्वरूप मानकर उनका आदर-सत्कार किया गया। श्रद्धालुओं ने कन्याओं के चरण धोए, माथे पर तिलक लगाया और उन्हें फूल, चुनरी, प्रसाद तथा उपहार अर्पित किए। लोगों को समाज में बेटियों के महत्व को समझने और उन्हें सम्मान देने का संदेश दिया गया। स्वामी हरि प्रकाश ने कहा कि कन्याएं समाज की अमूल्य धरोहर हैं और भविष्य में देश व समाज का नेतृत्व करेंगी।

सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती कर जनता को दी राहत: पंकज चौधरी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में बड़ी कटौती करने के सरकार के निर्णय का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया है। चौधरी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि रामनवमी के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को बड़ी राहत देते हुए महत्वपूर्ण फैसला लिया है। बढ़ते वैश्विक संकट और अंतरराष्ट्रीय तनाव के बीच सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में बड़ी कटौती की है। सरकार हर परिस्थिति में देशवासियों के साथ मजबूती से खड़ी है और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि जनता पर किसी भी तरह का अतिरिक्त बोझ न पड़े तथा उन्हें किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए लिखा कि पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क 10 रुपये घटाकर 3 रुपये कर दी गई है, जबकि डीजल पर उत्पाद शुल्क शून्य करने का निर्णय आम नागरिकों को बड़ी राहत देने वाला एक संवेदनशील कदम है। वैश्विक परिस्थितियों के बीच यह निर्णय न केवल उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ को कम करेगा, बल्कि आर्थिक स्थिरता और ऊर्जा उपलब्धता को भी सुनिश्चित करेगा।

खेल के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं बेटियाँ : केशव प्रसाद मौर्य

राष्ट्रीय प्रसतवना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को गोमतीनगर, लखनऊ स्थित सेज क्रिकेट एकेडमी में आयोजित स्वर्गीय राधिका सिंह मेमोरियल राज्य स्तरीय महिला क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन समारोह में पहुंचकर महिला खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने टूर्नामेंट का अवलोकन करते हुए खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि आज बेटियाँ खेल के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छू रही हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से भेंट कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा उनके भीतर नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार किया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में उप मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय राधिका सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में महिला सशक्तिकरण को भी नई दिशा देते हैं। उप मुख्यमंत्री ने अपने सम्बोधन में खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक एवं मानसिक विकास का माध्यम है, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता को भी विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों के विकास और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है तथा महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने टूर्नामेंट के आयोजक भाजयुमो के प्रदेश महामंत्री हर्षवर्धन सिंह की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूती मिलती है और नई प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिलता है। इस अवसर पर विधायक आशा मौर्य सहित अन्य गणमान्य जनों की उपस्थिति रही।

राजधानी में दोपहर तेज बारिश हुई

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज, गोमतीनगर, सरोजनीनगर में दोपहर ढाई बजे के बाद तेज बारिश हुई। पुराने लखनऊ में बादल छाए हुए हैं। शहर पर बादल छाए हैं। कई इलाकों में सुबह से रुक-रुककर हल्की बारिश हो रही है। मौसम विभाग की तरफ से बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। बादलों की गरज-चमक हो सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि शनिवार को दिन में अधिकतर समय बादल छाए रहेंगे। इससे गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। शुक्रवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 34 डिग्री रहा। यह सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 18 डिग्री रहा। यह सामान्य से 1 डिग्री अधिक रहा। अधिकतम आर्द्रता 48 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 20 फीसदी दर्ज की गई। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि इसके बाद 28 मार्च को मौसम साफ और शुष्क रहेगा। 29 मार्च से एक और नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की वजह से 29 से 31 मार्च तक पूरे प्रदेश में फिर से बारिश का दौर चलने की संभावना है। इन दोनों मौसम तंत्रों के कारण प्रदेश में तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस का उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

एक्सिस मैक्स लाइफ और यस बैंक ने रणनीतिक उत्कृष्टता के 21 साल पूरे किए

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड (एक्सिस मैक्स लाइफ/ कंपनी), जिसे पहले मैक्स लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, और यस बैंक लिमिटेड (यस बैंक) ने अपनी स्ट्रेटजिक बैंकाएश्योरेंस पार्टनरशिप के 21 साल पूरे कर लिए हैं। दो दशक से अधिक समय के इस तालमेल के साथ दोनों कंपनियों ने डिजिटल-फर्स्ट डिलीवरी और हाइपर-पर्सनलाइज्ड प्रोटेक्शन सॉल्यूशंस के माध्यम से ग्राहकों को शानदार अनुभव देने की अपनी प्रतिबद्धता को मजूबती दी है। एक्सिस मैक्स लाइफ के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर सुमित मदान ने कहा, 'यस बैंक के साथ हमारी 21 साल की साझेदारी ग्राहकों को प्राथमिकता देने वाले विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दिखाती है। हमने प्रोटेक्शन के मामले में एक्सिस मैक्स लाइफ की विशेषज्ञता को यस बैंक केमजबूत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के साथ मिलाते हुए 18 लाख से ज्यादा परिवारों को प्रोटेक्ट किया है। हम हर वर्ग के उपभोक्ताओं के जीवन को सुरक्षित करनेऔर एआई एवं सुगम डिजिटल इंटीग्रेशन का लाभ उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे सुनिश्चित होगा कि फाइनेंशियल सिक्योरिटी आसान बनेऔर देश के किसी भी कोने में रहने वाले सभी नागरिकों को बेहतर अनुभव मिले।' यस बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर प्रशांत कुमार ने कहा, 'एक्सिस मैक्स लाइफ के साथ हमारी 21 साल से अधिक की साझेदारी इस बात का प्रमाण है कि स्ट्रेटजिक अलाइनमेंट और लगातार इनोवेशन से किस स्तर की सफलता प्राप्त की जा सकती है। यह साझेदारी यस बैंक के डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर और ब्रांच नेटवर्क के माध्यम से हमारे ग्राहकों के बैंकिंग के सफर में इंश्योरेंस को सुगमता से इंटीग्रेट करने की हमारी क्षमता को दिखाती है। हम इस साझेदारी को विस्तार दे रहे हैं और ऐसे में हमारा लगातार प्रयास रहेगा कि गुणवत्तापूर्ण बीमा को भारत के वंचित क्षेत्रों तक सभी के लिए सुगम बनाया जाए। हमें विश्वास है कि यह गठजोड़ राष्ट्रीय स्तर पर '2047 तक सभी के लिए बीमा' के लक्ष्य को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगा।' पिछले 21 वर्षों में यह गठजोड़ इस उद्योग की सबसे सफल साझेदारियों में से एक रूप में उभरा है। देशभर में 1,300 से अधिक शाखाओं के यस बैंक के नेटवर्क का लाभ लेते हुए इस साझेदारी ने 1.50 लाख करोड़ रुपये के सम एश्योर्ड के साथ करीब 18.03 लाख पॉलिसीधारकों का भविष्य सुरक्षित किया है। बीमा के सफर को आसान बनाने के लिए नवीनतम टेक्नोलॉजी को इंटीग्रेट करने में यह साझेदारी महत्वपूर्ण साबित हुई है। बच्चों की शिक्षा और रिटायरमेंट प्लानिंग से लेकर वेल्थ क्रिएशन एवं टर्म प्रोटेक्शन तक, यह साझेदारी कई डिजिटल सॉल्यूशंस प्रदान करती है, जिनमें शामिल हैं। यह साझेदारी तीसरे दशक में प्रवेश कर गई है और अब हमारा फोकस ज्यादा बड़े राष्ट्रीय मिशन की ओर है। टियर 3 और टियर 4 कस्बों में प्रोटेक्शन गैप को कम करते हुए यह गठजोड़ एमएसएमई और सबसे निचले वर्ग के लोगों के लिए वित्तीय समावेश को प्राथमिकता दे रहा है। दोनों कंपनियां '2047 तक सभी के लिए बीमा' के इरडा के राष्ट्रीय लक्ष्य में अपना सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दोनों कंपनियों का मानना है कि फाइनेंशियल प्रोटेक्शन सेकेंडरी सर्विस नहीं है, बल्कि यह भारत के उभरते उद्यमियों एवं ग्रामीण परिवारों के लिए बड़ा सहारा है। एक्सिस मैक्स लाइफ और यस बैंक साथ मिलकर हर भारतीय तक इस प्रोटेक्शन शील्ड को पहुंचाने और दृढ़ एवं आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को मजूबती देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गोमती नगर के गायत्री शक्तिपीठ में नवमी पर यज्ञ

लखनऊ। गोमती नगर स्थित गायत्री शक्तिपीठ में नवरात्रि की नवमी तिथि के समापन पर यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। सुबह से ही शक्तिपीठ परिसर में भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। यज्ञ का शुभारंभ सुबह 8 से हुआ, जो श्रद्धालुओं की उपस्थिति के साथ लगातार चलता रहा। पूरे वातावरण में वैदिक मंत्रोच्चार और हवन की सुगंध से श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा। यज्ञ पूर्ण होने के बाद प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। शक्तिपीठ में कन्या भोज का भी आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने विधिवत कन्या पूजन कर उन्हें भोजन कराया और आशीर्वाद प्राप्त किया। वहीं महिला मंडल की ओर से सामूहिक भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ, गोमती नगर के मुख्य ट्रस्टी शिव शंकर मिश्रा ने कहा कि नवरात्रि का पर्व शक्ति की उपासना और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि यज्ञ और भक्ति के माध्यम से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

जनता को समर्पित राजनेता, निर्विकार संत एवं सनातन के ध्वजवाहक रुप में और निखरी मुख्यमंत्री योगी की छवि

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- चैत्र नवरात्रि से पहले ही शक्तिपीठों का भ्रमण कर गोरक्षपीठाधीश्वर ने मां के चरणों में शीश झुकाया, श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा व सुविधाएं कीं सुनिश्चित
- मार्च में ही शिव, राम व कृष्ण की भी धरा पर पहुंचे योगी, 'नर सेवा-नारायण सेवा' के ध्येय को शीर्ष पर रखा
- सनातन की ध्वजा कभी न झुकने देने की हुंकार, स्मार्टफोन के अधिक प्रयोग व नशे से दूर रहने के लिए युवाओं को किया प्रेरित

लखनऊ। चैत्र नवरात्रि में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक बार फिर अलग-अलग रूपों में दिखे। इस दौरान जनता को समर्पित राजनेता, निर्विकार संत और सनातन के ध्वजवाहक की छवि दिखी। आध्यात्मिक चेतना के बीच एक तरफ प्रदेश के मुखिया के रूप में शासकीय दायित्वों को निभाया तो दूसरी तरफ गोरखपीठाधीश्वर के रूप में सनातन के ध्वजवाहक का भी निर्वहन किया। चैत्र नवरात्रि से ठीक पहले उत्तर प्रदेश के नवनिर्माण के 09 वर्ष पर राजधानी लखनऊ में संवाद भी किया। कई जनपदों में पहुंचकर विकास कार्य की सौगात दी तो निरीक्षण-संवाद भी किया। चैत्र नवरात्रि और उससे ठीक पहले मुख्यमंत्री योगी जहां-जहां भी गए, वहां-वहां के मंदिरों में शीश झुकाया। मार्च की ही बात करें तो इस दौरान सीएम योगी राम, कृष्ण व शिव तीनों की धरा पर पहुंचे और समृद्ध उत्तर प्रदेश के लिए 'शक्ति' प्रदान करने की कामना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चैत्र नवरात्रि की प्रथमा तिथि पर अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि में श्रीरामयंत्र प्रतिष्ठापना कार्यक्रम में पहुंचे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु संग सीएम ने मंदिर में पूजन-अर्चन भी किया तो 21 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भी पहुंचे। नवरात्रि की सप्तमी तिथि पर गोरक्षपीठाधीश्वर ने मां पाटेश्वरी मंदिर, देवीपाटन में पहुंचकर श्रद्धा निवेदित

की। योगी आदित्यनाथ अष्टमी तिथि पर गोरखनाथ मंदिर में हवन-पूजन किया और नवमी तिथि पर कन्या पूजन व श्रीरामलला के प्राकट्योत्सव में भी सम्मिलित हुए। गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चैत्र नवरात्रि के ठीक पहले प्रदेश के कई जनपदों में शक्तिपीठों पर पहुंचकर दर्शन-पूजन किया। यही नहीं, मार्च में योगी आदित्यनाथ ने शिव, कृष्ण और राम की धरा पर भी आशीर्वाद लिया। पहली मार्च को काशी विश्वनाथ धाम व कालभैरव मंदिर (वाराणसी) में पहुंचकर श्रद्धा के पुष्प चढ़ाए। 07 मार्च को श्रीकृष्ण जन्मभूमि और 12 व 19 मार्च को श्रीरामलला की धरा अयोध्या पहुंचकर दर्शन-पूजन भी किया। इन तीनों धरा पर मुख्यमंत्री के दायित्वों के साथ ही योगी आदित्यनाथ ने संत के रूप में भी अपनी श्रद्धा निवेदित की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अभिभावक की भूमिका में भी रहे। उन्होंने इस रूप में नौनिहालों का भी ध्यान रखा। जालोर (राजस्थान) में श्री रत्नेश्वर महादेव मंदिर के 375 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय महायज्ञ एवं विशाल धर्मसभा में मुख्यमंत्री ने मातृशक्ति का आह्वान किया कि बच्चों को रोने और नाराज होने दें, लेकिन स्मार्टफोन कतई न दें तो युवा पीढ़ी को सीख दी कि विफलता मिली है तो कारण ढूंढकर उसे सफलता में बदलें, परिवार के लिए समय निकालें और बातचीत करें। चित्तौड़गढ़ में 'जौहर श्रद्धांजलि समारोह' में उन्होंने कहा कि सनातन की मर्यादा अमर है और रहेगी। बाबर-औरंगजेब और अकबर के खानदान का पता नहीं, महाराणा प्रताप के वंशज कार्यक्रम में बैठे हैं। इन सबके बीच 'नर सेवा-नारायण सेवा' का अपना ध्येय नहीं छोड़ा। उन्होंने जनता के लिए, जनता को समर्पित और जनता के बीच रहकर अनेक विकास योजनाओं के जरिए प्रत्यक्ष रूप से उन्हें आच्छादित किया। 03 व 05 मार्च को गोरखपुर में जनता के बीच 'जनार्दन' का दर्शन किया। 08 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सुरक्षा, सम्मान व सशक्तीकरण से जोड़ा और महिलाओं को चेक, पिंक रोजगार महाकुंभ, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के बीमा प्रीमियम, साड़ी-वर्दी के लिए 38.49 करोड़ रुपये डीबीटी अंतरण किया। 09 मार्च को लखनऊ में जनता दर्शन के जरिए प्रदेशवासियों की समस्याएं सुनीं। 17 मार्च को कैलाश मानसरोवर की यात्रा से लौटे 555 श्रद्धालुओं को 1-1 लाख रुपये की सहायता राशि दी। 18 मार्च को नवनिर्माण के 09 वर्ष पर संवाद किया। 22 मार्च को नवचयनित 1228 नर्सिंग अधिकारियों के नियुक्ति पत्र वितरित किया। 23 मार्च को लखनऊ में जनता दर्शन किया। 24 मार्च को पांच अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र, रानी लक्ष्मीबाई- लक्ष्मण अवार्ड, 14 खिलाड़ियों को 1.64 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की तो 25 मार्च को बहराइच में 136 परिवारों को मुख्यमंत्री आवास, शौचालय व आवास के लिए भूमि पट्टा का वितरण भरथापुर के लोगों के संबल प्रदान किया। नवरात्रि में 26 मार्च व 27 को गोरखपुर में जनता दर्शन में लोगों की समस्याओं का निराकरण किया। नवरात्रि से पहले मुख्यमंत्री योगी काशी विश्वनाथ, मां विंध्यवासिनी धाम, मां शाकुंभरी मंदिर के दर पर भी पहुंचे। मुख्यमंत्री कई आध्यात्मिक यात्राओं पर प्रदेश के बाहर हरियाणा व राजस्थान भी गए।

5वीं पुण्यतिथि के अवसर पर छोटे भाई को याद कर दी श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व लखनऊ विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व महामंत्री अनिल सिंह वीरू के छोटे भाई स्मृति शेष राजीव सिंह रिंकू बाबा की 5वीं पुण्यतिथि पर निज निवास पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद भंडारा आयोजित कर राहगीरों और साधु संतों को प्रसाद वितरित किया गया।

सबसे पहले हवन पूजन सम्पन्न हुआ। इसके बाद श्री सिंह ने अपने पिता नरेन्द्र सिंह अटिया, छोटे भाई सुनील सिंह, संजीव सिंह सोनू, बेटी देवशी सिकरवार व भतीजे शौर्य वर्धन सिकरवार अन्य परिजनों के साथ अपने भाई स्व० राजीव सिंह रिंकू के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नम आंखों से याद किया। इसके बाद कन्याभोज आयोजित कर कन्याओं को दान दक्षिणा दी गई। भंडारे में राहगीरों और साधु संतों को प्रसाद वितरित किया गया। सपा के वरिष्ठ नेता श्री सिंह ने कहा कि जीवन में व्यक्ति तो नहीं रहता लेकिन उसकी यादें हमेशा जीवित रहती हैं। कहा कि उनके छोटे भाई स्व० राजीव सिंह रिंकू हमेशा उनके और सभी परिवारीजनों के दिलों में जिंदा रहेंगे। इसके वाद स्व० राजीव सिंह के चित्र पर गणमान्य लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी यादें साझा कीं। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में राजकुमार सिंह, पंडित अनन्त कुमार मिश्रा, कमलेश सिंह, शिव शंकर वैश्य सुबोध सिंह, प्रमोद सिंह, मनोहर सिंह, शेर सिंह, मदन मोहन सिंह, राकेश सिंह राजपूत, पंकज सिंह, उमेश सिंह नीरू, सौरभ सिंह, उदय राज शुक्ला भानु, रमेश चंद्र मिश्रा आशीष कुमार सिंह, मदनपाल, दृग पाल, अरविंद कुमार, आशीष कुमार पांडे, अनूप कुमार पांडे, विमल कुमार सिंह, ललित दीपक, पप्पू, अंकित, श्यामू, सुनील सिंह, दिलीप सिंह, सरदार अंग्रेज सिंह, बंटी सिंह आदि उपस्थित रहे।

हिंदू देवी देवताओं पर सपा नेता की अभद्र टिप्पणी से सामाजिक संगठनों में भारी आक्रोश

- आरोपी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई व शीघ्र गिरफ़्तारी की मांग को लेकर शहर कोतवाली पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता
- सपा नेताओं ने भी बयान का किया विरोध एवं दिया कार्यवाही का आश्वासन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरपालपुर (हरदोई)। थाना क्षेत्र निवासी सपा नेता यदुनन्दन लाल वर्मा द्वारा एक सभा में हिंदू देवी देवताओं के प्रति अमर्यादित बयान के जारी वीडियो को लेकर जिले के सभी सामाजिक संगठनों ने भारी आक्रोश जताया है उन्होंने आरोपी की तुरंत गिरफ्तारी और उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की हैं!

शुक्रवार की सुबह वायरल एक विवादित वीडियो जिसमें कि सपा नेता यदुनन्दन लाल वर्मा प्रभु श्री राम और माता कौशल्या के प्रति अभद्र भाषा व अमर्यादित टिप्पणी करते हुए भाषण दे रहा हैं! जिसमें उन्होंने हिंदू रीति रिवाज एवं परंपराओं पर भी अभद्र टिप्पणी की है! सामाजिक संगठनों का कहना है कि यदि ऐसे नेता पर पुलिस तुरंत कार्यवाही नहीं करती तो हम लोग आंदोलन के लिए मजबूर होंगे क्योंकि ऐसे बयान समाज में आपसी द्वेष भावना व कटुता को जन्म देते हैं! उन्होंने कहा कि यह केवल एक व्यक्ति के लिए नहीं बल्कि यह करोड़ों हिंदुओं की आस्था का विषय है! जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा! अमर्यादित बयान की निंदा जिले की समाजवादी पार्टी के कई नेताओं ने भी की है! विवादित बयान के संबंध में सपा जिलाध्यक्ष शराफत अली ने बताया किया यह उनका निजी बयान है इसमें समाजवादी पार्टी का कोई लेना देना नहीं है हालांकि मै ऐसे बयान की कड़े शब्दों में निंदा करता हूं और प्रदेश संगठन को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग करता हूं! इसके अलावा सपा के वरिष्ठ पदाधिकारी अलंकार सिंह ने यदुनंदन लाल के पार्टी से शीघ्र निष्कासन की मांग की है!

जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने बयान की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा से आरोपी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है साथ ही लोगों से ऐसे व्यक्ति को समाज से बहिष्कृत करने की भी अपील की है! विरोध के क्रम में कोतवाली शहर में सैकड़ो की संख्या में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी एवं कड़ी कार्रवाई की मांग की है! घटना के संबंध में क्षेत्राधिकार हरपालपुर सत्येंद्र सिंह ने बताया है कि मामला संज्ञान में आने के बाद आरोपी के खिलाफ विभिन्न सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है और आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए प्रयास किया जा रहे हैं!

गौवंश ले जा रहे ट्रक को बजरंगदल के कार्यकर्ताओं ने रोका

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। कस्बे के चौराहे से गौवंश ले जा रहे ट्रक को बजरंगदल कार्यकर्ताओ ने रोक लियाण् ट्रक रुकते ही लोगो की भीड़ लग गई। पुलिस ने ड्राइवर से कागज का सत्यापन करके छोड़ दिया।

बस स्टॉप चौराहे पर शुक्रवार की दोपहर बजरंगदल के कार्यकर्ताओं ने फोन पर सूचना ट्रक में गौवंश भरे होने की सुचना दीण् सूचना पर पहुँचे थानाध्यक्ष विजय कुमार पुलिस फोर्स के साथ पहुँचकर ट्रक को थाने ले आए। ट्रक चालक नरेंद्र सिंह पुत्र ब्रजराज निवासी अमृतपुर जिला फर्रुखाबाद ने बताया कि वह देसी गौवंश नस्ल सुधार गौशाला खरमाल तहसील बहादुरगढ़ जिला झझहर हरियाणा से 14 गाय व एक साँड लादकर भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र गोरिया कर्मा हजारी बाग झारखंड जा रहा है। साथ में सोनपाल पुत्र हरि सिंह, रामू सिंह पुत्र राकेश जा रहे थे। गाड़ी मालिक का नाम सुधीर कुमार पुत्र सुनीत कुमार निवासी खरमान तहसील बहादुरगढ़ जिला झझहर हरियाणा है।

थानाध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि ट्रक ड्राइवर द्वारा दिखाए गए कागजो की पुष्टि कर ली गई, जो सही पाए गए हैण्ट्रक को छोड़ दिया गया।

ग्रामीण क्षेत्र में 11000 लाइन के नीचे खड़ी गेहूं की फसल को जल्द से जल्द किसान काटे

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मल्लावां पावर हाउस के एसडीओ और जेई एहतेशाम अहमद ने क्षेत्र के उपभोक्ताओं व किसानों से अपील करते हुए कहा है कि राघोपुर फीडर के अंतर्गत जिन खेतों में 11000 विद्युत लाइन के नीचे गेहूं की पकी हुई फसल खड़ी है, वे किसान जल्द से जल्द लाइन के नीचे की फसल काट लें। उन्होंने बताया कि तेज हवाए चिंगारी या अन्य तकनीकी कारणों से बिजली लाइन के संपर्क में आने पर आग लगने जैसी घटनाएं हो सकती हैं, जिससे बड़ी अनहोनी होने की आशंका रहती है। इसलिए किसानों की सुरक्षा और फसल की रक्षा को ध्यान में रखते हुए लाइन के नीचे खड़ी फसल को समय रहते काट लेना ही सुरक्षित रहेगा। एहतेशाम अहमद ने किसानों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि समय रहते सावधानी बरतने से किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सकता है। बिजली विभाग भी क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर सतर्क है।

आकाशीय बिजली गिरने से किसान की मौत

बिलग्राम (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में खेतों में काम कर रहे किसान पर आकाशीय बिजली गिरने से बुरी तरह झुलस गया जिसे आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया! प्राप्त जानकारी के अनुसार बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के हैबतपुर निवासी 45 वर्षीय मुरारी सुबह करीब 11:00 बजे अपने खेतों में गेहूं की फसल की कटाई करने गया था! फसल काटते समय अचानक काले बादलों के बीच तेज गड़गड़ाहट के साथ बिजली उसके ऊपर गिर पड़ी, जिससे वह बुरी तरह झुलस गया जिसे अचेत अवस्था में आसपास के लोगों ने तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया! अचानक हुई इस घटना से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है! पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है! राजस्व विभाग की टीम द्वारा आर्थिक मदद की प्रक्रिया की जा रही है!

मृतक मुरारी का फाइल फोटो

चोरों ने कॉपर वायर सहित अन्य सामान किया पार

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अरवल थाना क्षेत्र के मुरचिया गांव स्थित सोलर पावर प्लांट से अज्ञात चोरों ने कॉपर वायर सहित अन्य सामान चोरी कर लिया था। पुलिस ने डेढ़ में माह बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की हैं। जानकारी के अनुसार, प्लांट में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात गार्ड इटावा जनपद के थाना जसवंत नगर के कैस्ता गांव निवासी रामअवतार पुत्र भारत सिंह ने दी गई तहरीर में बताया हैं कि मुरचिया गांव स्थित ओ०एम०सी० पावर प्लांट में बीती 9/10 फरवरी की रात अज्ञात चोरों ने प्लांट परिसर से कीमती कॉपर वायर स्टिंग यूवी केबिल चोरी कर लिया और बैग में भरकर फरार हो गए घटना की जानकारी तुरंत डायल 112 को दी गई थी। मौके पर पहुँची पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर फोटो खींचे और बयान भी दर्ज किए थे। पुलिस ने घटना के डेढ़ माह बाद तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफप्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी हैं।

अश्लील टिप्पणियां करने वाले युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पुलिस ने राह चलती महिलाओं और लड़कियों पर अश्लील टिप्पणियां करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, हरपालपुर कोतवाली में तैनात उप-निरीक्षक शिवेन्द्र राय अपनी टीम के साथ गश्त पर थेएतभी मुखबिर से सूचना मिली कि कस्बे के ककरा तिराहे पर खड़े होकर आने.जाने वाली महिलाओं को देखकर अश्लील गाने गा रहा है और गंदे इशारे कर रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर देखा कि युवक की हरकतों से राहगीर महिलाएं असहज होकर रास्ता बदल रही थीं। घेराबंदी कर पकड़े गए युवक की पहचान हरिओम के रूप में हुई है। पुलिस में आरोपी के खिलाफप्राथमिकी दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी महिलाओं को ष्साथ चलनेष् जैसी अभद्र बातें कहकर परेशान कर रहा था।

कूड़ा डालने को लेकर हुए विवाद में दबंगों ने पीटा

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कूड़ा डालने को लेकर हुए विवाद में दबंगों ने व्यक्ति को पीट कर घायल कर दिया। घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम उधरन पुर निवासी सरोजिनी पुत्री राजेंद्र कुमार के अनुसार सन्नू, आकाश, अरुण ने नाली में कूड़ा डालने को लेकर हुए विवाद के कारण उसके पिता को डंडों से पीटा जिससे उन्हें काफी चोटे आईं। घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। घायल का डाक्टरी परीक्षण कराया गया। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार राय ने बताया घटना की जांच पड़ताल की जा रही है।

युवती प्रेमी के साथ चंपत, आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र की एक युवती कोचिंग पढ़ने के लिए घर से निकली और अपने प्रेमी के साथ और चंपत हो गई। पीड़ित पिता ने आरोपी प्रेमी के खिलाफकोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई। कोतवाली क्षेत्र के गांव के रहने वाले पिता के अनुसार उसकी 22 वर्षीय पुत्री 18 मार्च को कोचिंग पढ़ने के लिए घर से गई थी लेकिन वह वापस नहीं लौटी। उसे सभी नाते रिश्तेदारों और उसकी सहेलियों के यहां ढूंढा गया परंतु उसका कोई पता नहीं चल सका। पिता के अनुसार 22 मार्च को उसके मोबाइल पर एक मैसेज आया जिस मोबाइल नंबर से मैसेज आया उसका नाम कृष्ण ठाकुर है। जो गुड़गांव में मौजूद है। पिता ने उसी के साथ अपनी पुत्री के मौजूद होने की बात कही है । पुलिस ने आरोपी के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कर ली। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार राय ने बताया आरोपी के खिलाफके रिपोर्ट कर युवती की तलाश की जा रही है।

वुमेन फॉर एमपावरमेन्ट कार्यक्रम संपन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। कोतवाली पुलिस द्वारा मिशन शक्ति फेज पांच 2 की सफलता के लिए वूमेन फॉर एम्पावरमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अपर पुलिस अधीक्षक आलोक राज नारायण व प्रभारी निरीक्षक अरविन्द राय मौजूद रहे।

कोतवाली पुलिस की मिशन शक्ति टीम द्वारा क्षेत्राधिकारी और प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में कस्बे के कस्तूरबा विद्यालय में छात्राओं को गोष्ठी आयोजित कर उपस्थित सभी बालिकाओं को सरकार द्वारा जारी किए गए विभिन्न हेल्पलाइन नंबर जैसे 1090, 112, 1076, 1098, 102, 101, 108 साइबर अपराध संबंधित हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में जानकारी दी गई। सरकार द्वारा चलाई जारी विभिन्न योजनाओं के बारे में अवगत कराया गया। तत्पश्चात छात्राओं और महिलाओं के साथ मिशन शक्ति पुलिस टीम ने जुलुस निकाल कर महिलाओं और छात्राओं को जागरूक किया गया। पम्पलेट वितरण कर किसी भी अपराध या उत्पीड़न की स्थिति में वे कैसे और कहां शिकायत दर्ज करायें जानकारी दी गई। महिलाओं को मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत जारी हेल्पलाइन नंबरों में 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस, 101 अग्निशमन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन और 1930 साइबर हेल्पलाइन की जानकारी दी गई। इन नंबरों पर त्वरित मदद उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि नई साइबर सुरक्षा नीतियों और कानूनों के तहत ऑनलाइन ठगी, फेक प्रोफाइल और डिजिटल उत्पीड़न जैसे अपराधों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

राम नवमी पर सीता राम की मूर्ति स्थापित की गई

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। मोहल्ला दिलेरगंज स्थित मां कात्यायनी शक्ति पीठ पर वासंतिक नवरात्रि की नवमी पर शुक्रवार को दोपहर हवन पूजन और कन्या भोज के पश्चात राम जन्मोत्सव का त्यौहार बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर पीठ पर सीता राम की मूर्ति स्थापित की गई। चैत्र नवरात्रि की नवमी पर शक्तिपीठ पर शुक्रवार को विधिवत देवी हवन कर कन्या भोज का आयोजन किया गया, जिसमे बड़ी संख्या में कन्यायों का पूजन कर उन्हें भोज करवाया गया। कन्या भोज के उपरांत राम नवमी के अवसर पर श्री सीताराम के विग्रह को स्थापित कर हर्षोल्लास के साथ राम जन्मोत्सव का त्यौहार मनाया गया। राम जन्मोत्सव में उपस्थित महिलाओं ने मंगल गीत और बधाई गीत गाये। पीठाधीश्वर स्वामी आत्मानंद गिरी महाराज ने बताया हर नवरात्रि के अवसर पर पीठ पर माता की स्थपना कर नवरात्रि उत्सव मनाया जाता है। इसी क्रम में शुक्रवार को कन्या पूजन कर उन्हें भोज करवाया गया। शक्तिपीठ पर राम नवमी के अवसर पर श्री राम सीता की प्रतिमा को विधिवत पूजन कर स्थापित किया गया और राम जन्मोत्सव मनाया गया है।

इस अवसर पर करुणा मिश्रा, प्रभारानी, पंकज रस्तोगी, सुभाष रस्तोगी एवं सत्य प्रकाश मिश्र (सेवानिवृत्त कार्यालय अधीक्षक आर्य कन्या महाविद्यालय हरदोई) सपरिवार उपस्थित रहे।

पिहानी के पंडरवा किला में ईद मिलन समारोह

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। पिहानी विकास खंड स्थित पंडरवा किला में ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिक जनप्रतिनिधि पुलिस प्रशासन के अधिकारी और पत्रकार बंधु उपस्थित रहे। सभी ने एक.दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी और आपसी सौहार्द एकता तथा भाईचारे का संदेश दिया।

समारोह में वरिष्ठ पत्रकार राम लखन सविता, विपुल मिश्रा अरविंद राठौर मयंक गुप्ता सुनीत गुप्ता और समसुद्दीन सहित कई पत्रकार मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए जहानी खेड़ा चौकी इंचार्ज कैलाश चंद्र यादव दिवान उमाराज जगन्नाथ और हल्का इंचार्ज राजेश सिंह यादव पुलिस बल के साथ उपस्थित थे। उनकी मौजूदगी से आयोजन शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। भारतीय जनता पार्टी और भाजपा युवा मोर्चा के नगर अध्यक्ष सभासद प्रतिनिधि अरुण गुप्ता और विष्णु सिंह सहित कई सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता भी कार्यक्रम में शामिल हुए। आयोजकों ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

एक दशक से धूल फांक रही करोड़ों की अल्ट्रासाउंड मशीन, स्वास्थ्य कर्मियों पर भ्रमित करने का आरोप

- प्रदेश के उपमुख्यमंत्री व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्री के गृह जनपद का मामला

राष्ट्रीय प्रस्तावना

स्वास्थ्य केंद्र में धूल फांक रही कीमती अल्ट्रासाउंड मशीन

कछौना (हरदोई)। विकास खंड कछौना स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली का एक गंभीर मामला सामने आया है। एचसीएल फाउंडेशन द्वारा लगभग 11 वर्ष पूर्व उपहार स्वरूप दी गई अल्ट्रासाउंड मशीन रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती न होने के कारण शोपीस बनी हुई है। जबकि यह स्वास्थ्य केंद्र उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्री बृजेश पाठक के गृह जनपद का मामला है इसके अलावा जिले के ही विधान परिषद सदस्य ने इस अस्पताल को गोद ले रखा है! इसके बावजूद आलम यह है कि करोड़ों की मशीन धूल फांक रही है और क्षेत्र की करीब दो लाख की आबादी को इसका कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। सीएचसी कछौना में प्रतिदिन लगभग पाँच सैकड़ा मरीज इलाज के लिए आते हैंए जिनमें बड़ी संख्या गर्भवती महिलाएं होती है। स्वास्थ्य परीक्षण के लिए अल्ट्रासाउंड की नितांत आवश्यकता होती है, लेकिन सरकारी अस्पताल में सुविधा न होने के कारण लोग निजी सेंटरों पर जाने को मजबूर हैं। आरोप है कि निजी सेंटरों पर बिना प्रशिक्षित डॉक्टरों की मौजूदगी में जांच की जाती है, जिससे न केवल आर्थिक क्षति हो रही है बल्कि गलत रिपोर्ट का खतरा भी बना रहता है। जनसरोकार मंच के संयोजक परमेश्वर दयाल गुप्ता ने जनसुनवाई के माध्यम से इस मशीन को सुचारू रूप से चलाने की मांग की थी हालांकि प्राप्त जांच आख्या में स्वास्थ्य विभाग की ओर से चौंकाने वाले तर्क दिए गए हैं, इस आख्या रिपोर्ट में स्वीकार किया गया है कि जनपद हरदोई में कोई रेडियोलॉजिस्ट/ अल्ट्रासोनोलॉजिस्ट की तैनात नहीं है। इस कारण मरीजों को सीतापुर या लखनऊ संदर्भित रिफर किया जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शासन स्तर से रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती होने पर ही सीएचसी कछौना में अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू हो पाएगी। इसी आधार पर शिकायत को 'निक्षेपित' यानी बंद करने की संस्तुति कर दी गई है। स्थानीय निवासियों और जनसरोकार मंच का आरोप है कि स्वास्थ्य कर्मियों ने भ्रामक रिपोर्ट लगाकर शासन को गुमराह किया है। मशीन उपलब्ध होने के बावजूद स्टाफ की व्यवस्था न करना विभाग की उदासीनता को दर्शाता है। वहीं क्षेत्रीय विकास जन आंदोलन के अध्यक्ष रामखेलावन कनौजिया ने तीखे स्वर में कहा हैं कि ष्मामला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि 11 साल से मशीन उपलब्ध होने के बावजूद सरकार एक रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती सरकार नहीं कर सकी। दो लाख की आबादी को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। हम इस लापरवाही को अब और बर्दाश्त नहीं करेंगे और जल्द ही इस मुद्दे पर बड़ा आंदोलन करेंगे। जन सरोकार मंच के पदाधिकारी अखिलेश वर्मा ने कहा कि अस्पताल में मशीन होने के बाद भी गरीब जनता को निजी सेंटरों पर लूटा जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट वास्तविकता से कोसों दूर है। अंकित वर्मा ने कहा है कि गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड के लिए लखनऊ या सीतापुर भेजना/ अप्रशिक्षित निजी अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर भेजना उनके स्वास्थ्य के साथ बड़ा जोखिम है। स्थानीय स्तर पर ही यह सुविधा बहाल होनी चाहिए। वहीं इंद्रजीत यादव ने कहा कि जनसुनवाई के माध्यम से हमने आवाज़ उठाई, लेकिन स्वास्थ्य कर्मियों ने गलत तथ्य पेश कर मामले को ठंडे बस्ते में डालने की कोशिश की है। रमेश कुमार का कहना है कि मरीजों की बढ़ती संख्या और सीएचसी की बदहाली यह बताने के लिए काफी है कि प्रशासन को आम जनता की तकलीफों से कोई सरोकार नहीं है। वहीं जन सरोकार मंच के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि जल्द ही शासन स्तर से रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती कर सीएचसी कछौना में अल्ट्रासाउंड सेवा क्रियाशील नहीं की गई, तो वे सीएचसी मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे। वहीं क्षेत्रीय ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती कर मशीन को क्रियाशील नहीं किया गया, तो वे बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे! लोगों का कहना है कि यदि स्वास्थ्य मंत्री के जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था ऐसी है तो प्रदेश के अन्य अस्पतालों की व्यवस्था कैसी होगी! विधान परिषद सदस्य स्नातक खंड लखनऊ अवनीश कुमार सिंह जो कि इसी विकास खंड व जिले के मूल निवासी हैं उन्होंने इस अस्पताल को कई वर्षों से गोद ले रखा है बावजूद इसके मरीजों को इधर-उधर भटकना पड़ रहा है!

आवश्यकता है प्राचार्य व प्रवक्ताओं की

श्री रामबक्ष सिंह डिग्री कॉलेज, नरायनपुर, नई बस्ती, पोस्ट-पचदेवरा, हरदोई में स्ववित्त पोषित योजनान्तर्ग यू0जी0सी0, उत्तर प्रदेश शासन एवं लखनऊ वि0वि0 के मानकानुसार योग्यता व वेतनमान में निम्नलिखित पदों हेतु आवेदन आमंत्रित है-

प्राचार्य-01 पद

बी0एससी0- भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित, जन्तु विज्ञान एवं वनस्पति विज्ञान में प्रत्येक 02 पद

बी0ए0- हिंदी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, चित्रकला व गृह विज्ञान में प्रत्येक 01 पद

इच्छुक अभ्यर्थी समस्त मानकानुसार अभिलेखों सहित आवेदन पत्र विज्ञापन तिथि से 15 दिवस के अन्दर भेजे/जमा करें। सम्पर्क सूत्र-9621469770, Email-rambakshdcha96@gmail.com

प्रबंधक
पवन कुमार चौहान

क्या होर्मुज विवाद डॉलर-युआन युद्ध में तबदील हो सकता है?

पिछले हफ्ते ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के बारे में रिपोर्टें सामने आईं, जिनमें भारत जाने वाले एल.पी.जी. वाहक भी शामिल थे। इनमें से एक समूह, कोई आश्चर्य की बात नहीं, ईरानी कच्चे तेल का निर्यात करने वाले जहाजों का था। डाटा एनालिटिक्स फर्म केप्लर के अनुमान के अनुसार, अमरीका और इसराईल के साथ शत्रुता के बावजूद मार्च में ईरान के तेल शिपमैंट ने औसतन 1.3-1.4 मिलियन बैरल प्रतिदिन की गति बनाए रखी। रिपोर्ट के अनुसार, इसका अधिकांश हिस्सा चीन के लिए था, जिसे छोटे रिफाइनर चीनी युआन में भुगतान करके खरीद रहे थे। इसके विपरीत, खाड़ी देशों, जो दुनिया की सबसे मूल्यवान व्यापारिक वस्तु को डॉलर में बेचते हैं, ने अपने तेल को फंसा हुआ पाया है। दशकों से, 'मुद्रा युद्ध' का अर्थ व्यापारिक लाभ के लिए निर्यात को सस्ता करने के लिए पारस्परिक अवमूल्यन का खेल रहा है। क्या होर्मुज एक ऐसा केंद्र बिंदू है, जो एक नए प्रकार के पैट्रो-मुद्रा युद्ध को जन्म दे सकता है? दुनिया के प्रमुख निर्यातक के रूप में, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ ईरान ने अपने लगभग आधे व्यापार को युआन में परिवर्तित किया है। दुनिया के सबसे सस्ते तरीके से निकाले जाने वाले तेल के संरक्षक के रूप में, इस्लामी गणराज्य ने पिछले सप्ताह खाड़ी क्षेत्र में तेल और गैस सुविधाओं पर हुए हमलों के बाद क्षेत्रीय राजतंत्रों के साथ अमरीकी गठबंधन पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और पुनर्ध्वचार करने का आग्रह किया। डॉलर में तेल का व्यापार लंबे समय से डॉलर की वैश्विक तरलता को स्थिर रखने में सहायक रहा है, यहां तक कि अमरीका द्वारा सोने के बदले डॉलर का भुगतान बंद करने के बाद भी। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से, कच्चे तेल, गैस और अन्य आयातकों के लिए कीमतें बढने के कारण डॉलर की मांग में उछाल आया है, जिससे डॉलर की कीमत में टैरिफ के कारण आई गिरावट से उबरने में मदद मिली है। व्यापार भुगतानों पर इसका प्रभुत्व आरक्षित मुद्रा के वैश्विक निर्धारक के रूप में अमरीका की भूमिका को मजबूत करता है। इससे शायद अमरीकी औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के लिए डॉलर की मजबूती कम हुई हो लेकिन यह अमरीका को एक विशेषाधिकार भी प्रदान करता है। यह अपने राजकोषीय घाटे को बढ़ा सकता है और आसानी से ऋण का ढेर लगा सकता है, क्योंकि इसे अन्य देशों से सस्ते में उधार लेने की सुविधा मिलती है। जो देश इसके बांड खरीदते हैं या अन्य तरीकों से इसमें पूंजी का निर्यात करते हैं। इससे एक महत्वपूर्ण आष्थक लाभ मिलता है-पूंजी की कम लागत। फिर भी, इसराईल के साथ ईरान पर इसके संयुक्त हमले ने मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिम के कारण इसके बांड यील्ड को बढ़ा दिया है। टैरिफ लगाने वाले व्हाइट हाऊस ने अपनी डॉलर नीति पर मिले-जुले संकेत दिए हैं लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के लिए ईरान को दिया गया इसका अल्टीमेटम तेल संबंधी रणनीति का हिस्सा है, जैसे ईरान के खार्ग निर्यात टर्मिनल पर इसकी नजर। यदि चीन चुपचाप होर्मुज के लिए लंबी लड़ाई के परिणाम में हिस्सेदारी चाहता है, तो संभवतरू इसके बदले में कच्चे तेल के बिल को युआन के पक्ष में स्थानांतरित करना शामिल है। निश्चित रूप से, अभी तक मुद्रा युद्ध छिड़ा नहीं है लेकिन इसका खतरा अब मामूली नहीं है। इस युद्ध का भारतीय रुपए पर क्या प्रभाव पड़ेगा? दुर्भाग्य से, अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। पूंजी प्रवाह में कमी के कारण व्यापार घाटा बढने की आशंका है, ऐसे में भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) की संकटमोचक भूमिका पर ध्यान केंद्रित हो रहा है। डॉलर की बिक्री से रुपए की तरलता भी कम हो रही है, इसलिए इस कमी को दूर करने के लिए आर.बी.आई. को खुले बाजार में बॉन्ड की खरीद बढ़ानी होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, इसका अधिकांश हिस्सा चीन के लिए था, जिसे छोटे रिफाइनर चीनी युआन में भुगतान करके खरीद रहे थे। इसके विपरीत, खाड़ी देशों, जो दुनिया की सबसे मूल्यवान व्यापारिक वस्तु को डॉलर में बेचते हैं, ने अपने तेल को फंसा हुआ पाया है। दशकों से, 'मुद्रा युद्ध' का अर्थ व्यापारिक लाभ के लिए निर्यात को सस्ता करने के लिए पारस्परिक अवमूल्यन का खेल रहा है। क्या होर्मुज एक ऐसा केंद्र बिंदु है, जो एक नए प्रकार के पैट्रो-मुद्रा युद्ध को जन्म दे सकता है? दुनिया के प्रमुख निर्यातक के रूप में, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ ईरान ने अपने लगभग आधे व्यापार को युआन में परिवर्तित किया है।

वैश्विक संकट और ऊर्ज़ा संरक्षण

योगेश कुमार गोयल

संयुक्त राष्ट्र की 'एनर्जी प्रोग्रेस रिपोर्ट 2024' के अनुसार आने वाले दशक में वैश्विक ऊर्ज़ा मांग में लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है जबकि जीवाश्म ईंधनों के भंडार तेजी से सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में यदि ऊर्ज़ा संरक्षण और दक्षता को प्राथमिकता नहीं दी गई तो भविष्य में ऊर्ज़ा संकट केवल आर्थिक चुनौती नहीं रहेगा बल्कि सामाजिक अस्थिरता और वैश्विक संघर्षों का कारण भी बन सकता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य इस खतरे को और स्पष्ट करता है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव ने तेल आपूर्ति पर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर हो रही हैं।

आज समूचा विश्व भू-राजनीतिक तनाव के दौर से गुजर रहा है। ईरान, अमेरिका तथा इजराइल के बीच के टकराव ने वैश्विक ऊर्ज़ा बाजार को अस्थिर कर दिया है। इसलिए ऊर्ज़ा केवल विकास का साधन नहीं बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी है। तेल और गैस के दामों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और ऊर्ज़ा स्रोतों पर बढ़ती निर्भरता ने पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि क्या आधुनिक सभ्यता ने अपनी बुनियाद अत्यधिक अस्थिर संसाधनों पर खड़ी कर दी है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्ज़ा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं बल्कि मानवता की सुरक्षा का सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी उपाय बनकर उभर रहा है। ऊर्ज़ा आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग है, चाहे वह उद्योगों की मशीनें हों, परिवहन के साधन हों, डिजिटल अर्थव्यवस्था हो या घरेलू जीवन की सुविधाएं किंतु विडंबना यह है कि जिस ऊर्ज़ा पर हमारी प्रगति आधारित है, वही अब संकट का कारण बनती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की 'एनर्जी प्रोग्रेस रिपोर्ट 2024' के अनुसार आने वाले दशक में वैश्विक ऊर्ज़ा मांग में लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है जबकि जीवाश्म ईंधनों के भंडार तेजी से सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में यदि ऊर्ज़ा संरक्षण और दक्षता को प्राथमिकता नहीं दी गई तो भविष्य में ऊर्ज़ा संकट केवल आर्थिक चुनौती नहीं रहेगा बल्कि सामाजिक अस्थिरता और वैश्विक संघर्षों का कारण भी बन सकता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य इस खतरे को और स्पष्ट करता है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव ने तेल आपूर्ति पर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर हो रही हैं। भारत जैसे ऊर्ज़ा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। दरअसल भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में वैश्विक संकट का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। पैट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि केवल परिवहन लागत को नहीं बढ़ाती बल्कि खाद्य पदार्थों से लेकर निर्माण सामग्री तक हर क्षेत्र में महंगाई को जन्म देती है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्ज़ा संरक्षण राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण आधार बन जाता है। भारत तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है और यहां ऊर्ज़ा की मांग निरंतर बढ़ रही है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की 'इंडिया एनर्जी आउटलुक 2024' रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी ऊर्ज़ा उपभोक्ता अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ऐसे में यदि ऊर्ज़ा खपत को संतुलित नहीं किया गया तो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाएगा। यही कारण है कि भारत ने ऊर्ज़ा दक्षता और संरक्षण को अपनी नीति का केंद्रीय तत्व बनाया है। ऊर्ज़ा दक्षता ब्यूरो द्वारा लागू ऊर्ज़ा संरक्षण अधिनियम और 'उजाला' जैसे कार्यक्रमों ने यह साबित किया है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिणाम दे सकते हैं। 36 करोड़ से अधिक एलईडी बल्बों का वितरण और उससे हुई 48 बिलियन यूनिट बिजली की बचत इस बात का प्रमाण है कि यदि नीति और जनभागीदारी साथ आएं तो ऊर्ज़ा संरक्षण एक जनांदोलन बन सकता है। ऊर्ज़ा संरक्षण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह किसी नई तकनीक या बड़े निवेश पर निर्भर नहीं है बल्कि यह हमारे दैनिक व्यवहार में छोटे-छोटे बदलावों से ही संभव है। उदाहरण के लिए, अनावश्यक रूप से जलती लाइटों को बंद करना, ऊर्ज़ा-कुशल उपकरणों का उपयोग करना, एयर कंडीशनर का सीमित प्रयोग, सार्वजनिक परिवहन को अपनाना और सौर ऊर्ज़ा जैसे विकल्पों को बढ़ावा देना, ये सभी कदम न केवल ऊर्ज़ा बचाते हैं बल्कि पर्यावरण को भी सुरक्षित रखते हैं। यदि भारत का प्रत्येक परिवार प्रतिदिन केवल एक यूनिट बिजली की बचत करे तो यह देश के लिए ऊर्ज़ा क्रांति के समान होगा। ऊर्ज़ा संरक्षण का संबंध केवल बिजली तक सीमित नहीं है बल्कि यह जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। ऊर्ज़ा उत्पादन में जल का व्यापक उपयोग होता है और जल की बरबादी सीधे ऊर्ज़ा की बर्बादी में बदल जाती है। इसी प्रकार, ऊर्ज़ा के अत्यधिक उपयोग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान वृद्धि का मुख्य कारण है। आज जब दुनिया 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है, तब ऊर्ज़ा संरक्षण इस दिशा में सबसे प्रभावी हथियार साबित हो सकता है। अक्षय ऊर्ज़ा इस संकट का दीर्घकालिक समाधान प्रस्तुत करती है लेकिन इसकी सफलता भी ऊर्ज़ा संरक्षण पर ही निर्भर करती है। सौर, पवन और जैव ऊर्ज़ा जैसे स्रोतों का विस्तार तभी प्रभावी होगा, जब ऊर्ज़ा की कुल मांग को नियंत्रित किया जाए। भारत ने 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्ज़ा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो न केवल ऊर्ज़ा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है बल्कि वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और स्मार्ट ग्रिड जैसी तकनीकें इस दिशा में नई संभावनाएं खोल रही हैं लेकिन इन सबका मूल आधार ऊर्ज़ा का विवेकपूर्ण उपयोग ही है। शहरीकरण के बढ़ते दबाव ने भी ऊर्ज़ा खपत को तेजी से बढ़ाया है। महानगरों में ऊंची इमारतें, एयर कंडीशनिंग सिस्टम और बढ़ती वाहन संख्या ऊर्ज़ा की मांग को कई गुना बढ़ा देती है। ऐसे में हरित भवन निर्माण, सौर पैनलों का उपयोग और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना आवश्यक हो जाता है। यदि भवन निर्माण में ऊर्ज़ा दक्षता को प्राथमिकता दी जाए तो बिजली की खपत में 30 से 40 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है। यह न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। ऊर्ज़ा संरक्षण का एक महत्वपूर्ण आयाम औद्योगिक क्षेत्र भी है। उद्योगों में ऊर्ज़ा दक्षता बढ़ाने से उत्पादन लागत में कमी आती है और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि ऊर्ज़ा संरक्षण को केवल सरकारी नीति या अभियान के रूप में न देखा जाए बल्कि इसे एक सामाजिक संस्कृति के रूप में विकसित किया जाए। विद्यालयों में ऊर्ज़ा शिक्षा को अनिवार्य बनाया जाए, मीडिया के माध्यम से जनजागरुकता बढ़ाई जाए और प्रत्येक नागरिक को यह समझाया जाए कि ऊर्ज़ा की बचत केवल व्यक्तिगत लाभ नहीं बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य है। जब तक ऊर्ज़ा संरक्षण हमारी आदत नहीं बनेगा, तब तक किसी भी नीति या तकनीक का पूर्ण लाभ नहीं मिल सकेगा। वैश्विक ऊर्ज़ा संकट के इस दौर में भारत के पास एक अवसर भी है, एक ऐसे मॉडल के रूप में उभरने का, जो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित कर सके। यदि भारत ऊर्ज़ा संरक्षण, अक्षय ऊर्ज़ा और तकनीकी नवाचार के समन्वय से आगे बढ़ता है तो वह न केवल अपनी ऊर्ज़ा आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है बल्कि विश्व के लिए एक प्रेरणा भी बन सकता है। यह समझना आवश्यक है कि ऊर्ज़ा का संकट केवल संसाधनों का संकट नहीं है बल्कि यह हमारी सोच और व्यवहार का संकट भी है। यदि हम ऊर्ज़ा को अनमोल संसाधन मानकर उसका विवेकपूर्ण उपयोग करना सीख लें तो न केवल वर्तमान संकट से उबर सकते हैं बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध दुनिया भी सुनिश्चित कर सकते हैं। ऊर्ज़ा संरक्षण कोई जटिल विज्ञान नहीं बल्कि एक सरल जीवनशैली है और यही जीवनशैली आज धरती को बचाने की सबसे प्रभावी चाबी बन चुकी है।

'सत्य' और 'जनसरोकार' की तलाश में पत्रकारिता

विवेक रंजन श्रीवास्तव

हिंदी पत्रकारिता का विधिवत जन्म 30 मई 1826 को हुआ, जब पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने कलकत्ता से 'उदंत मार्तंड' (उगता हुआ सूरज) का प्रकाशन प्रारंभ किया। हालांकि भाषायी जटिलताओं और डाक व्यय के कारण यह साप्ताहिक पत्र मात्र छह माह ही चल सका, किंतु इसने हिंदी पत्रकारिता की वह मशाल जला दी थी, जिसे आगे चलकर राजा राममोहन राय जैसे समाज सुधारकों ने संरक्षण दिया। 1850 के दशक तक आते-आते प्रेस नियमों में ढील मिली और हिंदी पत्रों ने अपनी जड़ें जमानी शुरू की। 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम ने पत्रकारिता के चरित्र को 'सूचना' से बदलकर 'विद्रोह' कर दिया। इस दौर में पत्रकारों ने कलम को तलवार की तरह इस्तेमाल किया। 20वीं सदी के प्रारंभ में जब स्वतंत्रता आंदोलन तीव्र हुआ, तब पत्रकारिता एक 'मिशन' बन गई। इस कालखंड में महात्मा गांधी का प्रवेश हिंदी पत्रकारिता के लिए स्वर्ण युग सिद्ध हुआ। गांधीजी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक प्रखर और आदर्शवादी संपादक भी थे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में 'इंडियन ओपिनियन' से जो यात्रा शुरू की थी, उसे भारत में 'नवजीवन' और 'हरिजन' के माध्यम से पराकाष्ठा पर पहुँचाया।

भारतीय वांग्मय के पौराणिक संदर्भों को देखें तो देवर्षि नारद संभवतः सृष्टि के पहले पत्रकार कहे जा सकते हैं, जो लोकमंगल हेतु सूचनाओं का आदान-प्रदान करते थे। इसी कड़ी में कुरुक्षेत्र की युद्धभूमि से संजय द्वारा धृतराष्ट्र को सुनाया गया आंखों देखा हाल 'लाइव रिपोर्टिंग' का अद्भुत उदाहरण है। आधुनिक विश्व में पत्रकारिता का बीज 131 ईसा पूर्व रोम के 'एक्टा डियुर्ना' में मिलता है, जो प्रस्तर पट्टियों पर सूचनाएं अंकित कर सार्वजनिक स्थानों पर लगाया जाता था। 15वीं शताब्दी में योहन गूटनबर्ग द्वारा मुद्रण यंत्र (प्रिंटिंग प्रेस) के आविष्कार ने सूचनाओं के इस प्रवाह को पंख लगा दिए और 1605 में विश्व का पहला मुद्रित समाचार पत्र 'रिलेशन' अस्तित्व में आया।

हिंदी पत्रकारिता का विधिवत जन्म 30 मई 1826 को हुआ, जब पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने कलकत्ता से 'उदंत मार्तंड' (उगता हुआ सूरज) का प्रकाशन प्रारंभ किया। हालांकि भाषायी जटिलताओं और डाक व्यय के कारण यह साप्ताहिक पत्र मात्र छह माह ही चल सका, किंतु इसने हिंदी पत्रकारिता की वह मशाल जला दी थी, जिसे आगे चलकर राजा राममोहन राय जैसे समाज सुधारकों ने संरक्षण दिया। 1850 के दशक तक आते-आते प्रेस नियमों में ढील मिली और हिंदी पत्रों ने अपनी जड़ें जमानी शुरू की। 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम ने पत्रकारिता के चरित्र को 'सूचना' से बदलकर 'विद्रोह' कर दिया। इस दौर में पत्रकारों ने कलम को तलवार की तरह इस्तेमाल किया। 20वीं सदी के प्रारंभ में जब स्वतंत्रता आंदोलन तीव्र हुआ, तब पत्रकारिता एक 'मिशन' बन गई। इस कालखंड में महात्मा गांधी का प्रवेश हिंदी पत्रकारिता के लिए स्वर्ण युग सिद्ध हुआ। गांधीजी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक प्रखर और आदर्शवादी संपादक भी थे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में 'इंडियन ओपिनियन' से जो यात्रा शुरू की थी, उसे भारत में 'नवजीवन' और 'हरिजन' के माध्यम से पराकाष्ठा पर पहुँचाया। गांधीजी का मानना था कि ''पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य सेवा होना चाहिए।'' उन्होंने विज्ञापन रहित पत्रकारिता पर जोर दिया और हिंदी (हिंदुस्तानी) को जन-जन की भाषा बनाने के लिए अपने पत्रों को माध्यम बनाया। उनके संपादन में पत्रकारिता केवल समाचारों का संग्रह नहीं, बल्कि समाज सुधार और अहिंसक प्रतिरोध का शास्त्र बन गई। 'प्रताप' के गणेश शंकर विद्यार्थी और 'भारत मित्र' के बालमुकुंद गुप्त जैसे योद्धाओं ने गांधीवादी मूल्यों को धार दी। स्वतंत्रता के बाद हिंदी को राजभाषा का गौरव मिला, जिससे पत्र-पत्रिकाओं का विस्तार महानगरों से निकलकर कस्बों तक पहुँचा। दैनिक समाचार पत्रों ने ग्रामीण भारत की नब्ज पहचानी। यह दौर पत्रकारिता के 'साहित्यिक स्वरूप' का भी था, जहाँ अज्ञेय, धर्मवीर भारती और रघुवीर सहाय जैसे दिग्गजों ने 'दिनमान' और 'धर्मयुग' जैसी पत्रिकाओं के माध्यम से पत्रकारिता को बौद्धिक गरिमा प्रदान की। 1975 का आपातकाल इस यात्रा का सबसे कठिन पड़ाव था, जहाँ प्रेस की स्वतंत्रता पर पहरे लगे, पर 'सद्भावना' जैसे भूमिगत पत्रों ने लोकतंत्र की लौ जलाए रखी। 1990 के दशक में उदारीकरण ने पत्रकारिता को 'मिशन' से 'प्रोफ़ेशन' और फिर 'मार्केट' (बाजार) में बदल दिया। निजी समाचार चैनलों के उदय ने 'ब्रेकिंग न्यूज' की संस्कृति को जन्म दिया। प्रिंट मीडिया अब रंगीन और बहु-पृष्ठीय हो गया, लेकिन साथ ही 'पेड न्यूज' जैसी विसंगतियां भी उभरीं। 21वीं सदी का दूसरा दशक 'डिजिटल संक्रमण' का रहा। इंटरनेट और स्मार्टफोन ने हर नागरिक को 'सिटीजन जर्नलिस्ट' बना दिया। आज हिंदी पत्रकारिता सोशल मीडिया, पॉडकास्ट और एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के दौर में है। जहाँ एक ओर सूचनाएं क्षण भर में वैश्विक हो रही हैं, वहीं दूसरी ओर 'फ़ेक न्यूज' और 'प्रेस फ्रीडम' की चुनौतियां भी हिमालय की तरह खड़ी हैं। हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्षों का इतिहास 'उदंत मार्तंड' की साधारण स्याही से लेकर आज के डिजिटल पिक्सल तक की महायात्रा है। यह यात्रा दर्शाती है कि माध्यम भले ही बदल गए हों,पत्थर से कागज और कागज से स्क्रीन,परंतु पत्रकारिता की आत्मा आज भी उसी 'सत्य' और 'जनसरोकार' की तलाश में है, जिसका सपना पंडित जुगल किशोर शुक्ल और महात्मा गांधी ने देखा था। आने वाला समय तकनीकी और नैतिकता के बीच संतुलन का है।

जलवायु परिवर्तनः भविष्य नहीं, वर्तमान का महाविनाशकारी संकट

ललित गर्ग

भारत के संदर्भ में यह संकट और भी गंभीर रूप लेता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत के अनेक शहरों में तापमान 48 से 50 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि पहले 45 डिग्री को ही अत्यधिक गर्मी माना जाता था। अब असामान्य गर्मी ने फरवरी और मार्च जैसे महीनों को भी झुलसाना शुरू कर दिया है। हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता दोनों बढ़ रही हैं। इसका असर केवल स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि बिजली, पानी, खेती, श्रम, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी ने केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि वन्यजीव, पेड़-पौधे और सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को भी संकट में डाल दिया है। जलवायु परिवर्तन के पीछे सबसे बड़ा कारण मानव का विकास मॉडल है। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई, अनियोजित शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों का अंधाधुंध दोहन पृथ्वी को लगातार गर्म कर रहा है। आज वैश्विक तापमान लगभग एक लाख 25 हजार वर्षों के उच्चतम स्तर के आसपास पहुंच चुका है। यह स्थिति बताती है कि समस्या प्रकृति में नहीं, बल्कि मानव की जीवनशैली और विकास की दिशा में है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां इस संकट को और अधिक खतरनाक बना रही हैं।

आज मानव सभ्यता जिस सबसे बड़े संकट के सामने खड़ी है, वह युद्ध, महामारी या आर्थिक मंदी नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन है। दुनिया आज जलवायु संकट के ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां हर नया आंकड़ा खतरे की घंटी बनकर सामने आ रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि 2015-2025 का दशक अब तक का सबसे गर्म दौर रहा है। यह केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि पृथ्वी के बदलते स्वभाव का गंभीर संकेत है। रिपोर्ट बताती है कि ग्रीनहाउस गैसों का स्तर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच चुका है और पृथ्वी का एनर्जी इम्बैलेंस लगातार बढ़ रहा है। महासागर, जो जलवायु संतुलन के सबसे बड़े नियंत्रक माने जाते हैं, अब 90 प्रतिशत से अधिक अतिरिक्त गर्मी सोख रहे हैं। इसका सीधा अर्थ है कि पृथ्वी का तापमान केवल हवा में ही नहीं, जल और भूमि के भीतर भी बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन अब धीरे-धीरे आने वाली समस्या नहीं रही, बल्कि यह वर्तमान का संकट बन चुका है। दुनिया के अनेक हिस्सों में असामान्य गर्मी, बाढ़, सूखा, चक्रवात और जंगल की आग जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। प्रति का संतुलन बिगड़ रहा है और मौसम का मिजाज अनिश्चित होता जा रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा से बाढ़ आ रही है तो कहीं महीनों तक बारिश नहीं हो रही। यह असंतुलन सीधे-सीधे मानव जीवन, कृषि, जल संसाधनों और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। इस बदलते मौसम ने सबसे ज्यादा मनुष्य के स्वास्थ्य पर हमला किया है। भारत के संदर्भ में यह संकट और भी गंभीर रूप लेता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत के अनेक शहरों में तापमान 48 से 50 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि पहले 45 डिग्री को ही अत्यधिक गर्मी माना जाता था। अब असामान्य गर्मी ने फरवरी और मार्च जैसे महीनों को भी झुलसाना शुरू कर दिया है। हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता दोनों बढ़ रही हैं। इसका असर केवल स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि बिजली, पानी, खेती, श्रम, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी ने केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि वन्यजीव, पेड़-पौधे और सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को भी संकट में डाल दिया है। जलवायु परिवर्तन के पीछे सबसे बड़ा कारण मानव का विकास मॉडल है। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई, अनियोजित शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों का अंधाधुंध दोहन पृथ्वी को लगातार गर्म कर रहा है। आज वैश्विक तापमान लगभग एक लाख 25 हजार वर्षों के उच्चतम स्तर के आसपास पहुंच चुका है। यह स्थिति बताती है कि समस्या प्रकृति में नहीं, बल्कि मानव की जीवनशैली और विकास की दिशा में है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां इस संकट को और अधिक खतरनाक बना रही हैं। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध की स्थितियां बनी हुई हैं। युद्ध केवल मानव जीवन और अर्थव्यवस्था को ही नष्ट नहीं करते, बल्कि पर्यावरण को भी गहरा नुकसान पहुंचाते हैं। युद्ध में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटक, रसायन, धातु, ईंधन और आग से वातावरण में भारी मात्रा में जहरीली गैसें फैलती हैं। तेल भंडारों में आग, रासायनिक संयंत्रों का नष्ट होना और सैन्य गतिविधियां वातावरण में कार्बन उत्सर्जन को कई गुना बढ़ा देती हैं। इस प्रकार युद्ध और जलवायु परिवर्तन मिलकर पृथ्वी को दोहरे संकट की ओर धकेल रहे हैं। भारत सहित दुनिया के लगभग 75 प्रतिशत जिले किसी न किसी जलवायु जोखिम के दायरे में आ चुके हैं। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी नदियों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। दूसरी ओर समुद्र का जलस्तर बढ़ने से मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे तटीय शहरों पर खतरा मंडरा रहा है। यदि समुद्र स्तर इसी गति से बढ़ता रहा तो आने वाले दशकों में तटीय आबादी का बड़े पैमाने पर विस्थापन हो सकता है। यह केवल पर्यावरण संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट भी बन सकता है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यह स्पष्ट है कि यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कटौती नहीं की गई, तो तापमान के नए-नए रिकॉर्ड टूटते रहेंगे और पृथ्वी रहने योग्य स्थान कम होती जाएगी। जल संकट, खाद्य संकट, स्वास्थ्य संकट और प्रवासन जैसी समस्याएं बढ़ेंगी। दुनिया के अनेक वैज्ञानिक अब चेतावनी दे रहे हैं कि यदि तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का पारिस्थितिक संतुलन गंभीर रूप से बिगड़ सकता है। लेकिन इस संकट में ही अवसर भी छिपा हुआ है। यह समय विकास मॉडल को बदलने का है। ऊर्ज़ा के क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्ज़ा, जैसे सौर ऊर्ज़ा, पवन ऊर्ज़ा और जल ऊर्ज़ा को बढ़ावा देना होगा। शहरों को कंक्रीट के जंगल बनाने के बजाय हरित शहर बनाना होगा। जल प्रबंधन को जन आंदोलन बनाना होगा। वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और नदियों के संरक्षण पर गंभीरता से काम करना होगा। कृषि को जलवायु अनुकूल बनाना होगा, कम पानी वाली फसलों और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। साथ ही जिला स्तर पर हीट एक्शन प्लान, जल संरक्षण योजना, वृक्षारोपण अभियान और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम लागू करने होंगे। जलवायु परिवर्तन से लड़ाई केवल सरकारें नहीं जीत सकतीं, इसके लिए समाज, उद्योग, वैज्ञानिक और आम नागरिक सभी को मिलकर काम करना होगा। दुनिया की महाशक्तियों के लिए यह समय सबसे बड़ी परीक्षा का समय है। यदि वे केवल आर्थिक विकास और सैन्य शक्ति की दौड़ में ही उलझी रहीं और पृथ्वी के भविष्य की चिंता नहीं की, तो आने वाली पीढ़ियां उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। उन्हें यह समझना होगा कि पृथ्वी बचेगी तो अर्थव्यवस्था भी बचेगी, मानव सभ्यता भी बचेगी और विकास भी बचेगा। यदि पृथ्वी ही तपती और असंतुलित हो गई, तो सारी प्रगति बेकार हो जाएगी। आज आवश्यकता है कि दुनिया की महाशक्तियां कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए कठोर और बाध्यकारी नीतियां बनाएं, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करें, वनों की कटाई रोकें और हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दें। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी का तापमान इतना बढ़ जाएगा कि अनेक क्षेत्र रहने योग्य नहीं रहेंगे। निश्चित तौर पर जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चुनौती नहीं, वर्तमान का संकट है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को एक असंतुलित और तपती हुई पृथ्वी विरासत में मिलेगी। यह तपती हुई पृथ्वी मानव जीवन के लिए विनाश का कारण भी बन सकती है। लेकिन यदि दुनिया समय रहते चेत गई, तो यही संकट एक नए, संतुलित और टिकाऊ विकास मॉडल की शुरुआत भी बन सकता है। पृथ्वी को बचाना अब विकल्प नहीं, मानव अस्तित्व की अनिवार्यता बन चुका है।

श्रीराम नवमी पर हिन्दू युवा वाहिनी की विशाल बाइक रैली, शहर हुआ राममय

- कब्बा खेड़ा से निकली शोभायात्रा, विधायक पंकज गुप्ता ने दिखाई हरी झंडी, जगह-जगह पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर हिन्दू युवा वाहिनी के संयोजन में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पारंपरिक विशाल श्रीराम यात्रा बाइक रैली का भव्य आयोजन किया गया। युवाओं के उत्साह और जोश से पूरी रैली मार्ग राममय हो गया।

रैली की शुरुआत हिन्दू युवा वाहिनी के जिला कार्यालय कब्बा खेड़ा से मंडल प्रभारी धीरेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में हुई। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने भगवा ध्वज दिखाकर यात्रा को रवाना किया। इस दौरान युवाओं का उत्साह देखकर विधायक स्वयं भी बाइक पर सवार होकर कुछ दूरी तक रैली के साथ शामिल हुए।

रैली में शामिल हजारों युवाओं ने हाथों में त्रिशूल, तलवार, गदा और भगवा ध्वज लेकर ल्लजय श्रीरामङ्क के जयघोष किए। जैसे-जैसे रैली विभिन्न मार्गों से गुजरी, माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया। कई स्थानों पर स्थानीय लोगों ने छतों से पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया।

यह भव्य यात्रा कब्बा खेड़ा से प्रारंभ होकर बंदूहार, सिविल लाइंस, ओवरब्रिज, आईबीपी चौराहा और केसरगंज होते हुए सिद्धनाथ मंदिर पहुंची, जहां यह श्रीराम शोभा यात्रा में शामिल हो गई।

कार्यक्रम में हिन्दू युवा वाहिनी के मंडल प्रभारी धीरेन्द्र प्रताप सिंह के साथ मनीष तिवारी, जसमीत सिंह रिकी, अखिल गुप्ता, निखिल गुप्ता, चैतन्य त्रिपाठी, पवन सिंह, सत्येंद्र सिंह, विजय सिंह, जसवंत कुशवाहा, आदित्य भट्ट, रूपेश गुप्ता, आकाश वर्मा, पंडित हरिदेव शास्त्री, शुभम अवस्थी, अजीत सिंह, अंकित जायसवाल, प्रदीप सिंह, समीर सिंह, मोहित मिश्रा, शौर्यवीर सिंह, लखन सिंह, संदीप यादव, आशीष कुशवाहा, सौरभ तिवारी, सौरभ सिंह सहित सैकड़ों युवा मौजूद रहे।

रैली के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

सिद्धिदात्री की उपासना व कन्या पूजन के साथ चैत्र नवरात्र का हुआ समापन

शुक्लागंज, उन्नाव। चैत्र नवरात्र के पावन पर्व का समापन शुक्रवार को नवमी तिथि पर माता सिद्धिदात्री की उपासना और कन्या पूजन के साथ श्रद्धापूर्वक हुआ। नगर के मंदिरों से लेकर घरों तक सुबह से ही उत्सव का माहौल रहा। राजधानी मार्ग स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर में भोर की आरती के समय से ही भक्तों का तांता लग गया, जो देर रात तक निरंतर जारी रहा। नगर के प्रमुख मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। राजधानी मार्ग स्थित श्री दुर्गा मंदिर में पहले विधिवत पूजन किया गया, जिसके बाद मंदिर परिसर में विशाल कन्या भोज का आयोजन हुआ। यहाँ पहले प्रतीकात्मक रूप से 21 कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया, तत्पश्चात सैकड़ों की संख्या में मौजूद कन्याओं को भोज कराकर उपहार व दान-दक्षिणा दी गई। इसी प्रकार, गायत्री नगर के गायत्री मंदिर और कंचन नगर स्थित कंचनामाई मंदिर में भी धार्मिक अनुष्ठानों की धूम रही। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर माता के सिद्धिदात्री स्वरूप के दर्शन किए और सुख-समृद्धि की कामना की। नवमी के अवसर पर नगर का वातावरण वैदिक मंत्रोच्चार से गुंजायमान रहा।

स्टंटबाजी और छात्राओं से छेड़छाड़ करने वाला युवक गिरफ्तार, भेजा गया जेल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ-उन्नाव। नगर में बाइक पर स्टंट करना, राह चलती छात्राओं पर फब्तियां कसना और छेड़छाड़ जैसी हरकतें करना एक युवक को महंगा पड़ गया। लगातार बढ़ती अभद्रता से परेशान नागरिकों की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी युवक लंबे समय से नगर के विभिन्न मार्गों पर तेज रफ्तार बाइक दौड़ाते हुए खतरनाक स्टंट करता था। इतना ही नहीं, वह रास्ते से गुजर रही छात्राओं और महिलाओं पर अभद्र टिप्पणियां करता और उन्हें परेशान करता था। उसकी इन हरकतों से क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल बन गया था।

स्थानीय लोगों ने कई बार युवक को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। आखिरकार परेशान होकर नागरिकों ने एकजुट होकर कोतवाली में लिखित शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की और लगातार उसकी गतिविधियों पर नजर रखी। शुक्रवार को पुलिस ने नगर के लखनऊ रोड से युवक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान वह अपनी बाइक के जरूरी कागजात भी प्रस्तुत नहीं कर सका।

पकड़े गए युवक ने अपना नाम अब्बास पुत्र जान मोहम्मद निवासी ग्राम सिगार मजरा बहलोलपुर थाना कासिमपुर जनपद हरदोई बताया है। पुलिस ने बाइक को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। युवक की गिरफ्तारी के बाद नगरवासियों ने राहत की सांस ली है और पुलिस की कार्रवाई की सराहना की है।

रामनवमी पर निकली भव्य शोभायात्रा जयकारों से गूंजा बांगरमऊ नगर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ-उन्नाव। रामनवमी के पावन अवसर पर नगर के नानामऊ मार्ग स्थित श्री दुर्गेश्वर मंदिर प्रांगण से शुक्रवार को प्रभु श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। धार्मिक आयोजनों की शुरुआत पूर्वाहन 11 बजे रामचरितमानस पाठ की पूर्णाहुति के साथ हुई। इसके पश्चात दोपहर 12 बजे विधि-विधान से हवन-पूजन संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आहुति समर्पित कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

हवन-पूजन के उपरांत भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्रद्धालुओं ने ल्लजय श्रीरामङ्क के जयकारों के बीच पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान उपस्थित भक्तों को प्रसाद वितरण भी किया गया।

दोपहर 2:15 बजे श्री दुर्गेश्वर मंदिर से गाजे-बाजे और भक्ति गीतों के साथ विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों—नानामऊ मार्ग, मोहल्ला सराय, भटपुरी, टेढ़ी बाजार, खत्रियाना, किला शाहजी, गुलाम मुस्तफा, अस्पताल रोड, ब्लॉक रोड तिराहा, नौनिहालगंज और लखनऊ रोड चौराहा होते हुए श्री राजराजेश्वरी मंदिर पर संपन्न हुई।

यात्रा के दौरान राम, लक्ष्मण और हनुमान की आकर्षक झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहीं। पूरे मार्ग में ल्लजय श्रीरामङ्क के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय हो गया। मंदिर परिसर में सुभाष इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. करुणा शंकर शुक्ला, संजय शुक्ला व जय शुक्ला ने विधि-विधान से भगवान राम का पूजन किया।

भैंस चराने गई दो लड़कियां नदी में डूबी, घर में मचा हाहाकार

पैलानी/बांदा। पैलानी तहसील के खरेई गांव निवासी चुन्नू निषाद की 12 वर्षीय लड़की श्वेता तथा दूसरी बच्चू निषाद की लड़की रंची उम्र 12 वर्ष जो रोज की भांति सुबह 10रू00 बजे अपने-अपने घरों से भैंसों को चराने के लिए केन नदी किनारे पहुंची थी जहां पैर फिसल जाने की वजह से दोनों ही लड़कियां गहरे पानी में समा गई जब तक आसपास के चरवाहे तथा लड़के मौके पर पहुंच पाते तब तक दोनों ही लड़कियों की पानी में डूब कर मौत हो चुकी थी मृतक श्वेता के पिता चुन्नू निषाद तथा मृतक रंची के पिता बच्चू निषाद ने जानकारी देते हुए बताया है कि दोनों ही लड़कियां गांव के प्राइमरी स्कूल में पढ़ती थी दोनों ही आपस में सहेलियां थी आज दोनों की एक साथ हुई मौत को लेकर परिवार में कोहराम मच गया है बता दे कि मृतक श्वेता पुत्री चुन्नू निषाद चार बहनों में सबसे छोटी थी तथा रांची पुत्री मोती निषाद दो बहनों में सबसे छोटी थी।

ननिहाल पहुंचे इंडियन आइडल-14 के विजेता वैभव गुप्ता, हुआ भव्य स्वागत

- धुरंधर-2 के गीत मन अटकेया को मिल रहा देश-विदेश में प्यार, बोले—उन्नाव मेरा घर है

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। इंडियन आइडल सीजन-14 के विजेता वैभव गुप्ता का अपने ननिहाल सहजनी (उन्नाव) पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के पदाधिकारियों व परिजनों ने गर्मजोशी से उनका अभिनंदन किया। इस दौरान आयोजित प्रेस वार्ता में वैभव गुप्ता ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार और श्रोताओं के प्यार को दिया।

वैभव गुप्ता ने कहा कि फिल्म धुरंधर-2 के गीत ल्लमन अटकेयाङ्क को देश-विदेश में जो प्यार मिल रहा है, वह उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि ल्लउन्नाव मेरा घर है, यहां के लोग मेरे अपने हैं, उनका धन्यवाद देने ही मैं यहां आया हूं।ङ्क

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के अध्यक्ष अमित मिश्रा, महामंत्री विशाल गुप्ता व कोषाध्यक्ष अश्वनी गुप्ता सहित कई लोगों ने उनका स्वागत किया। वहीं मामा मदन मोहन गुप्ता की आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े। उन्होंने कहा कि वैभव उनके परिवार की शान हैं।

बताया गया कि वैभव बचपन में अक्सर अपने ननिहाल सहजनी आया करते थे। बचपन में शरारती स्वभाव के कारण डांट भी पड़ती थी, लेकिन आज वही वैभव अपनी मेहनत के दम पर देश का उभरता सितारा बन गया है।

ममेरे भाई अश्वनी गुप्ता व विशाल गुप्ता ने कहा कि जिस बच्चे को कभी शरारती समझा जाता था, आज वह पूरे देश में नाम रोशन कर रहा है। यह पूरे परिवार और क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।

वैभव ने अपने सफर को याद करते हुए बताया कि इंडियन आइडल से लेकर अब तक परिवार का उन्हें पूरा सहयोग मिला है। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म धुरंधर-2 के सॉन्ग लॉन्च के दौरान अभिनेता रणवीर सिंह ने उन्हें गले लगाकर बधाई दी और उनकी आवाज की सराहना की।

इस मौके पर एक्टर अंकित रॉय, अनुराग कुशवाहा, अंशु गुप्ता, आकाश यादव, कुशांक गुप्ता, कॉमेडियन लक्ष्य निगम सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में हुई विश्व कल्याण की कामना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

महोबा। यूपी के महोबा जनपद में शुक्रवार को चैत्र नवरात्र की नवमी के दिन गायत्री मंदिर में 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया।,जहां सैकड़ों भक्तों ने महायज्ञ में भाग लेकर घर- परिवार और विश्व कल्याण की कामना की और हवन के बाद भक्तों ने भंडारे का प्रयसद ग्रहण किया।

शुक्रवार को चैत्र नवरात्र की नवमी के दिन जिले भर में मंदिरों और घरों में अनुष्ठान हुए। जनपद मुख्यालय स्थित गायत्री मंदिर में 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया, जहां भक्तों ने भक्तिभाव से मां की आराधना कर हवन-पूजन किया । पं. हरिशरण मिश्रा, आकांक्षा तिवारी और प्रदीपिका पाटकार द्वारा हवन संपन्न कराया गया। हवन-पूजन के बाद भक्तों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया है। पं. वीरेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि नवरात्र की नवमी मां सिद्धिदात्री का दिन होता है। मां की आराधना से जातक की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

इस दौरान गायत्री मंदिर के जिला समन्वयक राम अवतार तिवारी, अरविंद मिश्रा, सुखलाल गुप्ता, वासुदेव रावत, नरोत्तम रावत, राघव तिवारी, मिहीलाल, आदित्य मिश्रा, राजाबाबू तिवारी , नरेश कुमार, कालीदीन समेत सैकड़ों की संख्या में भक्त मौजूद रहे ।

प्रयागराज में धूमधाम से निकली भगवान श्री राम की शोभा यात्रा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जी के अवतरण दिवस पर श्री राम जन्मोत्सव शोभा यात्रा समिति के द्वारा धूमधाम से भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

शोभायात्रा का शुभारम्भ महंत यमुनापुरी महाराज, महापौर गणेश केसरवानी, विधायक हर्षवर्धन वाजपेई, पूर्व कैबिनेट मंत्री नरेंद्र कुमार सिंह गौर, भाजपा क्षेत्र अध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, डॉ कीर्तिका अग्रवाल, राजेश केसरवानी ने सामूहिक रूप से महाआरती करके किया।

इस अवसर पर समिति के संस्थापक एवं कोषाध्यक्ष प्रकाश वैश्य, संरक्षक पार्षद राजेश निषाद, अध्यक्ष सुनील रस्तोगी, कार्याध्यक्ष सुभाष चन्द्र वैश्य, महामंत्री सत्यजीत सिंह ने आए अतिथियों को साफा और अंगवस्त्रम पहनाकर स्वागत किया। शोभा यात्रा में विजय पताका, डीजे बैंड, गणेश भगवान, हनुमानजी महाराज, मां दुर्गा, काली मां और अन्य देवी देवताओं की मनमोहक झांकियां शामिल रही।

शोभा यात्रा का शुभारम्भ दिनेश टेंट हाउस राधारमण इंटर कालेज से किया गया जो मोरी, मीरागली, जी टी रोड, निराला चौराहा, बक्शी त्रिमुहानी, फुलवारियां रोड से होते हुए पुनः राधारमण इंटर कालेज में आकर सम्पन्न हुई। शोभा यात्रा का संचालन सुभाष चन्द्र वैश्य और संयोजन सत्यजीत सिंह ने किया।

शोभा यात्रा में मुख्य रूप से विहिप नेता लालमणि तिवारी, लवलेश पांडेय, पार्षद अनुपमा पांडे, राघवेंद्र सिंह, भरत निषाद, विपिन जायसवाल, शिविर श्रीवास्तव, हरिकेश बहादुर सिंह, विक्रम निषाद, राजेश पाठक, अनिल शुक्ला, ममता वैश्य, अतुल कुशवाहा, दिलीप निषाद, विकास जोशी, सोनू निषाद, अंनत जोशी, केके पाठक, गोल्डी दुबे, अजय यादव, पवन यादव कंचन, सौम्या, उद्भव, सरिता सिंह, विनोद वैश्य, नीरज, श्यामजी गुप्ता, विनोद शुक्ला, संजय सोनकर आदि सैकड़ों राम भक्त शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली के पलटने से मजदूर की मौत, दो घायल

वाराणसी। वाराणसी में मिर्ज़ामुराद थाना क्षेत्र के लालपुर गांव में शुक्रवार को तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली के पलटने पर उसमें सवार रिंकू नामक एक मजदूर की मौत हो गई। मौके पर पहुंची थाना टीम ने मजदूर को घायल अवस्था में पहले अस्पताल भेजवाया और मौत की पुष्टि होने पर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी। मिर्ज़ामुराद थाना के प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार ने बताया कि मिर्ज़ापुर जिले के अदलपूरा में शीतला धाम से दर्शन कर लौट रहे टैक्टर सवार मजदूरों में एक की मौत हो गई है और दो घायल है। तेज रफ्तार के कारण यह हादसा हुआ है। दोनों घायलों का ट्रामा में उपचार चल रहा है। मृतक मूल रूप से झारखंड का रहने वाला है। पुलिस टीम शव को कब्जे में लेकर अगली कार्रवाई करा रही है।

भागवत सुनने गई बालिका से दुष्कर्म, लोहिया अस्पताल में भर्ती

फर्रुखाबाद। फतेहगढ़ जिले के थाना कमालगंज के एक गांवकी रहने वाली 8 वर्षीय बच्ची गांव में भागवत सुनने गई थी। इस बीच गांव के अशोक राजपूत ने बच्ची को रुपये का लालच दिया। गांव से दूर एक झोपड़ी में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद बच्ची रोती हुई खून से लथपथ अपने घर पहुँची और घटना की जानकारी अवपी माँ को दी। तभी मां घायल बच्ची को झोलाछाप डॉक्टर के पास ले गई।वहां पर ब्लड बंद करवाने का इंजेक्शन लगवाया। जब बच्ची का ब्लड बंद नहीं हुआ, तो माँ घबरा गई और बच्ची को घायल अवस्था मे लेकर थाने में पहुँची। पुलिस ने बच्ची को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कमालगंज में भर्ती कराया। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए बच्ची को महिला जिला अस्पताल लोहिया के लिए रेफर कर दिया। वहां उसका इलाज जारी है। सूचना मिलते ही तत्काल एसपी आरती सिंह महिला जिला अस्पताल पहुंचीं और पीड़ित बच्ची से घटना की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने आरोपित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई का आश्वासन दिया। एसपी आरती सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। टीमें गठित कर आरोपित की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

ट्रैकर ट्राली से टकराई बाइक, किशोर की मौत

हाथरस। मथुरा रोड पर गांव टिकैत के निकट शुक्रवार दोपहर सड़क हादसे में 8वीं कक्षा के छात्र की मौत हो गई। तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराने के कारण यह हादसा हुआ, जिसमें उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, नगला केशरी निवासी शिवम शर्मा पुत्र जगदीश प्रसाद और सलेमपुर मार्ग सादाबाद निवासी सूरज गुप्ता किसी दावत में शामिल होने के लिए घर से निकले थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मोटरसाइकिल काफी तेज गति में थी और आगे चल रही ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सादाबाद ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने शिवम शर्मा को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल सूरज गुप्ता का उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। प्रारम्भिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार और वाहन पर नियंत्रण न होना बताया जा रहा है। पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

अमेठी की पूर्व नपं अध्यक्ष जेल से अस्पताल में भर्ती

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला अमेठी की पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष चंद्रमा देवी को फर्जी प्रमाण पत्र जारी करने सहित अन्य आरोपों से जुड़े मामले में गुरुवार को जेल भेज दिया गया था। तबियत खराब होने के कारण जेल से बीती रात अस्पताल मे भर्ती कर दिया गया। पूर्व नपं अध्यक्ष के अधिवक्ता अरविंद सिंह राजा ने प्रभारी जिला जज राकेश पांडेय की कोर्ट में उनकी अंतरिम जमानत देने की मांग की, जबकि परिवादी घनश्याम सोनी के अधिवक्ता अजीजुर्रहमान और डीजीसी क्रिमिनल राम अचल मिश्र ने इसका विरोध किया।

ऋतिक श्रीवास्तव ने प्रतापगढ़ के लहराया परचम

- ऋतिक बने प्लेयर ऑफ द मैच, 4 विकेट लेकर दिलाई गोमती थंडर को शानदार जीत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रतापगढ़। बिग बी के पैतृक गांव बाबूपट्टी के क्रिकेट के होनहार प्लेयर ऋतिक श्रीवास्तव ने अयोध्या के डॉक्टर भीम राव अंबेडकर इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले अयोध्या प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में गोमती थंडर की तरफ से शानदार गेंदबाजी करते हुए प्रतापगढ़ का परचम लहराया है और गोमती थंडर की टीम को फाइनल में जीत फतह कराई। गोमती थंडर ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए गंगा वॉरियर को 45 रनों से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। पूरे मैच में गोमती थंडर की टीम हर विभाग में मजबूत नजर आई, चाहे वह बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी। इस जीत के सबसे बड़े नायक रहे टीम के उपकप्तान ऋतिक श्रीवास्तव, जिन्होंने अपनी घातक गेंदबाजी से मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। ऋतिक ने मात्र 3 ओवर में 24 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट झटके और गंगा वॉरियर की बल्लेबाजी को पूरी तरह से धराशायी कर दिया। उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार भी दिया गया। ऋतिक श्रीवास्तव का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में भी बेहतरीन रहा। उन्होंने 8 मैचों में कुल 17 विकेट हासिल किए और सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का खिताब अपने नाम किया। उनकी लगातार शानदार गेंदबाजी ने गोमती थंडर को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई।

फाइनल में मिली इस जीत के साथ ही गोमती थंडर ने पूरे टूर्नामेंट में अपना दबदबा साबित किया और दर्शकों को एक यादगार मुकाबला देखने को मिला। ऋतिक श्रीवास्तव के क्रिकेट कोच आदित्य शुक्ला है और उनके पिता राजेंद्र श्रीवास्तव पेशे से अधिवक्ता है।

रसोई गैस की किल्लत पर अधिवक्ता रामपाल यादव ने उठाई आवाज, जांच की मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ-उन्नाव। नगर व क्षेत्र में रसोई गैस की भारी किल्लत को लेकर प्रमुख समाजसेवी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रामपाल यादव ने जिला अधिकारी को पत्र सौंपकर गैस एजेंसी संचालकों पर एलपीजी की कालाबाजारी और उपभोक्ताओं के शोषण का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

प्रेषित पत्र में रामपाल यादव ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकारें रसोई गैस की पर्याप्त उपलब्धता का दावा कर रही हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इसके विपरीत है। नगर और ग्रामीण क्षेत्र में लंबे समय से गैस सिलेंडरों की कृत्रिम कमी पैदा की जा रही है, जिससे आम उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि गैस एजेंसी संचालक और उनसे जुड़े दलाल घरेलू गैस सिलेंडरों की खुलेआम कालाबाजारी कर रहे हैं। उपभोक्ताओं को समय पर गैस नहीं मिल रही, जबकि दलालों के माध्यम से अधिक कीमत लेकर आसानी से सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

रामपाल यादव ने कहा कि इस समस्या का सबसे ज्यादा असर गरीब, मजदूर और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है। महिलाओं को खाना बनाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और कई परिवार मजबूरी में लकड़ी या अन्य वैकल्पिक ईंधन का उपयोग कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई शिकायतों के बावजूद संबंधित विभाग अब तक प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रहा है।

कस्तूरबा गांधी बालिकाओं ने निकाली जागरूकता रैली

- मिशन शक्ति 5.0 : ग्रामीणों ने दिया भरपूर साथ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत शुक्रवार को थाना हैदराबाद क्षेत्र के ग्राम अहमदनगर में महिला सुरक्षा एवं जागरूकता को लेकर एक प्रेरणादायक रैली का आयोजन किया गया।

रैली का नेतृत्व थानाध्यक्ष हैदराबाद सुनील कुमार ने किया। इसकी शुरुआत ग्राम अहमदनगर स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय से हुई, जहां पहले बालिकाओं को मिशन शक्ति के उद्देश्यों, महिला सुरक्षा कानूनों और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। इसके बाद बालिकाओं ने पुलिस टीम के साथ पूरे गांव में रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया। रैली में महिला सिपाही 'महिला सुरक्षा केंद्र' का बैनर लेकर सबसे आगे चल रही थीं, जबकि थानाध्यक्ष सुनील कुमार नेतृत्व करते हुए पूरे कार्यक्रम को दिशा दे रहे थे।

बालिकाओं ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और नारी शक्ति जिंदाबाद जैसे नारों के माध्यम से समाज को जागरूक किया और महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। इस दौरान ग्राम प्रधान मुकेश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण भी रैली में शामिल हुए। ग्रामीणों ने बालिकाओं के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक होते हैं और बेटियों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करते हैं रैली के दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों–1090 (वूमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 112 (पुलिस हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) और 108 (एम्बुलेंस सेवा)–की जानकारी दी और आपात स्थिति में इनके उपयोग के लिए प्रेरित किया। अधिकारियों ने बताया कि मिशन शक्ति का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना ही नहीं, बल्कि महिलाओं में आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना विकसित करना भी है, ताकि वे किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के खिलाफ निर्भीक होकर आवाज उठा सकें। रैली का समापन शांतिपूर्ण ढंग से हुआ और सभी ने मिशन शक्ति के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

हैदराबाद पुलिस ने 10 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ एक महिला को किया गिरफ्तार

अज़ान खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधियों के विरुद्ध अभियान के अंतर्गत हैदराबाद थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी के कुशल मार्गदर्शन में थानाध्यक्ष सुनील मलिक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शुक्रवार को ग्राम उदयपुर से एक महिला को अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया गिरफ्तार अभियुक्ता की पहचान अतरकली पत्नी स्व. महेश कुमार, निवासी ग्राम उदयपुर, थाना हैदराबाद, जनपद खीरी के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक प्लास्टिक के बैग में लगभग 10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की। बरामदगी के आधार पर थाना हैदराबाद में मु.अ.सं. 85/2026 धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक हेमन्त कटियार, हेड कांस्टेबल संजीव यादव, कांस्टेबल तरुण कुमार, महिला कांस्टेबल रचना व नीतू शामिल रही।

भुसौरिया विद्यालय में 'नवारम्भ उत्सव' धूमधाम से सम्पन्न, नन्हे बच्चों ने बिखेरा प्रतिभा का रंग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। ब्लॉक कुंभी गोला के परिषदीय संविलियन विद्यालय कन्या भुसौरिया में ल्ननवारम्भ उत्सवङ्क का आयोजन हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान गोला देहात राजेश गिरि एडवोकेट ने अपने संबोधन में विद्यालय में कराए गए विकास कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्हें शिक्षा के मंदिरों से विशेष लगाव है। उन्होंने कहा कि यदि भविष्य में पुनः जनता का आशीर्वाद मिला तो पंचायत के सभी विद्यालयों का कायाकल्प कर उन्हें और बेहतर बनाया जाएगा। विशिष्ट अतिथि एआरपी विनोद कुमार गौतम ने बालवाटिका शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए बताया कि 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा बेहद महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि 3 से 4 वर्ष तक के बच्चों का नामांकन आंगनबाड़ी की बालवाटिका में कराएं।

साथ ही उन्होंने बताया कि अब सरकारी विद्यालयों में भी प्री-प्राइमरी स्तर पर 5 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पढ़ाने के लिए ईसीसीई एजुकेटर की नियुक्ति की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान छोटे-छोटे बच्चों ने गीत, कविता और कहानी प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। अंत में अतिथियों एवं अभिभावकों ने क्रियाशील बालवाटिका का भ्रमण किया और वहां की गतिविधियों की सराहना की। विद्यालय के शिक्षकों द्वारा बच्चों को रेत पर उंगली पकड़कर अक्षरारम्भ कराया गया, जो कार्यक्रम का आकर्षण का केंद्र रहा। बच्चों ने भी इस उत्सव का भरपूर आनंद लिया। प्रधानाध्यापिका पूनम शुक्ला ने सभी अतिथियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

मां मंगला देवी मंदिर में नवरात्रि के दौरान अव्यवस्थाओं से श्रद्धालु नाराज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। मां दुर्गा के पावन नवरात्रि पर्व के अंतिम दिन नगर के खुटार रोड स्थित मां मंगला देवी मंदिर में अव्यवस्थाओं का अंबार देखने को मिला, जिससे श्रद्धालुओं में भारी नाराजगी व्याप्त रही। मंदिर परिसर में प्रशासन और मंदिर कमेटी की अनुपस्थिति ने स्थिति को और भी चिंताजनक बना दिया। नवरात्रि के अंतिम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे थे और कन्या भोज सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठानों में भाग ले रहे थे, लेकिन मौके पर बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव दिखाई दिया। श्रद्धालुओं के अनुसार प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार की समुचित व्यवस्था नहीं की गई थी, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मंदिर परिसर में लगे एकमात्र हैंडपंप से गंदा और बदबूदार पानी निकल रहा था, जो पीने योग्य नहीं था। वहीं, लगा हुआ वाटर कूलर भी बंद पड़ा मिला और उसे जाल से ढक दिया गया था, जिससे पीने के पानी की समस्या और गंभीर हो गई। गर्मी के बीच पानी की कमी ने श्रद्धालुओं की मुश्किलें और बढ़ा दीं। भीड़ में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग बड़ी संख्या में मौजूद थे, लेकिन सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि ऐसी स्थिति में अराजक तत्व किसी भी अप्रिय घटना को अंजाम दे सकते थे। इसके बावजूद मौके पर कोई पुलिस या प्रशासनिक व्यवस्था संतोषजनक रूप में नजर नहीं आई। सबसे हैरानी की बात यह रही कि इतने बड़े धार्मिक आयोजन के दौरान न तो नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी मौजूद थे और न ही कोई जनप्रतिनिधि या सामाजिक कार्यकर्ता। इससे लोगों में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के प्रति रोष और बढ़ गया। स्थानीय नागरिकों ने कहा कि नवरात्रि जैसे महत्वपूर्ण पर्व वर्ष में दो बार आते हैं, इसके बावजूद हर बार इस तरह की अव्यवस्थाएं यह दर्शाती हैं कि जिम्मेदारों के लिए इन आयोजनों का कोई विशेष महत्व नहीं रह गया है। यदि समय रहते उचित प्रबंधन किया जाता तो श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलतीं और एक सकारात्मक संदेश समाज में जाता अब बड़ा सवाल यह है कि क्या गोला गोकर्णनाथ के जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि इस लापरवाही का संज्ञान लेंगे या फिर भविष्य में भी श्रद्धालुओं को इसी तरह की समस्याओं से जूझना पड़ेगा।

हाईकोर्ट का अहम फैसला: रेहान खान व परिवार को राहत, पलिया की एफआईआर रद्द

पलियाकला खीरी। इलाहाबाद हाईकोर्ट से एक महत्वपूर्ण निर्णय सामने आया है, जिसमें समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव रेहान खान और उनके परिवार को बड़ी कानूनी राहत मिली है। न्यायालय ने उनके विरुद्ध दर्ज एफआईआर को रद्द (क्वैश) करने का आदेश जारी किया है। यह मामला जनपद लखीमपुर खीरी के थाना पलिया से जुड़ा हुआ था, जहां रेहान खान एवं अन्य के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 10/2026 विभिन्न धाराओं में दर्ज किया गया था। इस एफआईआर को चुनौती देते हुए रेहान खान की ओर से इलाहाबाद हाईकोर्ट में क्रिमिनल रिट पिटीशन संख्या 412/2026 दाखिल की गई थी। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए दोनों पक्षों को मेडिएशन सेंटर भेजने का निर्देश दिया। मध्यस्थता केंद्र में आपसी वार्ता के बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद का समाधान हो गया और समझौता संपन्न हुआ मेडिएशन सेंटर की सकारात्मक रिपोर्ट और दोनों पक्षों की सहमति के आधार पर माननीय न्यायमूर्ति अब्दुल मोइन और न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने याचिका को स्वीकार कर लिया।

कंजा मंदिर में डॉ. कौशल वर्मा ने कराया भव्य कन्या भोज

- 101 कन्याओं का पूजन कर वितरित किए उपहार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। नवरात्रि के अंतिम दिन सनशाइन हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर ट्रस्ट के संचालक एवं भाजपा नेता डॉ. कौशल वर्मा द्वारा गोला-मोहम्मदी रोड स्थित ग्राम कंजा के प्राचीन हनुमान मंदिर में भव्य कन्या भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला, जहां बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए इस अवसर पर 101 कन्याओं का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर तिलक वंदन किया गया। कन्याओं को चुनरी व मुकुट पहनाकर सम्मानित किया गया तथा पूड़ी-सब्जी का भोजन कराया गया। आयोजन में शामिल कन्याओं को उपहार स्वरूप स्कूल बैग, स्टेशनरी सामग्री और नगद दक्षिणा भी प्रदान की गई, जिससे उनके चेहरे खुशी से खिल उठे डॉ. कौशल वर्मा ने अपने साथियों के साथ हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। उन्होंने कहा कि कन्या पूजन हमारी सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इससे समाज में सकारात्मक संदेश जाता है कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद गोला की पूर्व अध्यक्षा मीनाक्षी अग्रवाल, प्रभात बाजपेयी रुद्र, यूथ विंग्रेड के जिला अध्यक्ष गोपाल गुप्ता, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अनुज प्रताप सिंह, आनंद अर्कवंशी एडवोकेट, सुशील गुप्ता एडवोकेट, इंजीनियर अभिषेक वर्मा, पटेल संस्थान के पूर्व अध्यक्ष पारस वर्मा, अशोक वर्मा, रमेश कुमार, नीरज कुमार, मनोरमा देवी, मनोज गुप्ता, सुशील पांडे, राजेश गुप्ता उर्फ गुड्डन, श्यामू गुप्ता सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

इस आयोजन को सफल बनाने में मंदिर संचालन समिति एवं स्थानीय लोगों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

नवरात्रि समापन पर कचियानी में विशाल भंडारे का आयोजन, हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

मितौली खीरी। नवरात्रि के समापन अवसर पर विकास खंड मितौली क्षेत्र के ग्राम कचियानी स्थित माता नारायणी देवी के पावन स्थल पर भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत माहौल देखने को मिला। रानी चन्द्र कुँवरि की जन्मस्थली माने जाने वाले इस धार्मिक स्थल पर शुक्रवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। नवरात्रि के नौ दिनों तक माता रानी के नवदुर्गा स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद समापन के अवसर पर यह भंडारा आयोजित किया गया। ग्राम कचियानी निवासी कैप्टन कटियार पुत्र रामसागर कटियार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने माता नारायणी देवी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और उसके उपरांत भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन स्थल पर भक्ति गीतों और जयकारों से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। आयोजक कैप्टन कटियार ने बताया कि यह भंडारा प्रत्येक वर्ष नवरात्रि समापन पर आयोजित किया जाता है, जिसमें क्षेत्रीय लोगों का भरपूर सहयोग मिलता है।

अयोध्या में ड्यूटी पर तैनात सीओ रमेश तिवारी ने संभाली भीड़, श्रद्धालुओं को सहज कराए दर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। नवरात्रि और रामनवमी के पावन अवसर पर अयोध्या स्थित हनुमानगढ़ी में उमड़ी भारी भीड़ के बीच लखीमपुर खीरी जनपद के गोला क्षेत्र से पहुंचे पुलिस क्षेत्राधिकारी रमेश कुमार तिवारी ने अपनी कुशल कार्यशैली से श्रद्धालुओं का दिल जीत लिया। उनकी सक्रियता और सौम्य व्यवहार के चलते लाखों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं को सुगमता के साथ दर्शन कराए जा सके। भीड़-भाड़ और व्यवस्थाओं की चुनौतीपूर्ण स्थिति में सीओ रमेश कुमार तिवारी ने अपनी टीम के साथ मोर्चा संभालते हुए श्रद्धालुओं को पंक्तिबद्ध कराया और पूरी व्यवस्था को नियंत्रित रखा। उनकी मीठी बोली और जमीन से जुड़ा व्यवहार लोगों को खासा प्रभावित करता नजर आया।

हनुमानगढ़ी में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं ने भी सीओ की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए उन्हें साधुवाद दिया। लोगों का कहना था कि जिस प्रकार से उन्होंने भीड़ को व्यवस्थित किया, उससे बिना किसी अव्यवस्था के सभी को आसानी से दर्शन का अवसर मिल सका तस्वीरों में भी उनकी मेहनत और सेवा भावना साफ झलक रही है, जिसने प्रशासनिक तंत्र के साथ-साथ आम श्रद्धालुओं का भी दिल जीत लिया।

बम से उड़ाने की धमकी की मेल मिलने के बाद प्रधान डाकघर में चला सघन चेकिंग अभियान

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में थाना सिविल लाइन क्षेत्र स्थित प्रधान डाकघर को बम से उड़ाने की धमकी शुक्रवार को ईमेल से मिली। इसके बाद बम निरोधी दस्ता, डाग स्कावड और पुलिस ने डाकखाने का कोना-कोना चेक किया। यहां पर आने-जाने वाले वाहनों की भी चेकिंग की गई । वरिष्ठ डाक अधीक्षक विनय कुमार ने बताया कि सिविल लाइंस स्थित प्रधान डाकघर में एक मेल आई थी जिसमें यहां बने पोस्ट ऑफिस और पासपोर्ट कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इस मेल के आने के बाद हम सक्रिय हुए और पुलिस को सूचित किया। इसके बाद सघन चेकिंग कराई गई, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि जनपद मुरादाबाद के अलावा रामपुर व अमरोहा में पासपोर्ट केंद्र चल रहे हैं। उनके एचओ को भी हमने सूचित कर दिया था, वहां भी चेकिंग कराई गई, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

बजाज हिन्दुस्थान शुगर मिल पलिया में चैत्र नवमी पर भक्ति का सागर, विधि-विधान से हुआ पूजन व हवन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड चीनी मिल पलिया में माँ दुर्गा की चैत्र नवमी का पावन पर्व पूरे श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मिल परिसर भक्तिमय माहौल में डूबा नजर आया, जहां विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना और हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इकाई प्रमुख ओ.पी. चौहान एवं उनकी पत्नी सावी चौहान द्वारा विधिवत पूजन संपन्न कराया गया। वहीं पंडित रामेंद्र मिश्र ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। पूजन के उपरांत पवित्र हवन यज्ञ आयोजित किया गया, जिसमें सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने आहुति देकर पुण्य लाभ अर्जित किया। नवरात्रि स्थापना से लेकर नवमी तक प्रतिदिन मिल के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सपरिवार पूजा-अर्चना की जाती रही। समापन दिवस पर आयोजित अंतिम पूजा में बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिवारजन शामिल हुए और सामूहिक रूप से हवन में सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर आसवनी हेड उदय प्रताप सिंह, विकास मलिक, संजीव दूबे, राजीव तोमर, यू.के. पांडेय, मनोज मिश्र, सतीश श्रीवास्तव, तनवीर अहमद सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। कॉलोनी की महिलाओं और बच्चों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को और अधिक गरिमामय बना दिया। हवन के उपरांत परंपरा के अनुसार कन्याओं को श्रद्धापूर्वक भोजन कराया गया तथा उन्हें दक्षिणा प्रदान की गई। इसके साथ ही सभी उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया, जिसमें सभी ने श्रद्धा भाव से भाग लेकर माँ दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

संक्षिप्त समाचार

बाराबंकी में भगवान श्री राम नवमी पर हुए विविध कार्यक्रम

बाराबंकी। रामनवमी का पर्व बाराबंकी जिले में उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। जिले के रामनगर कस्बे में स्थित श्री राम जानकी पंचायती मंदिर में राम नवमी का उत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने मंदिर में श्री रामचरितमानस पाठ करने के पश्चात भजन और कीर्तन किया। ठीक 12 बजे भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जन्म के अवसर पर भक्तों ने झूम झूम कर जय श्री राम के उद्घोष किया। मंदिर में प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर रविंद्र नाथ द्विवेदी पुजारी राजू मिश्रा, अनूप पांडेय, पंकज चतुर्वेदी, नीरज सोनी, शोभित, वेद प्रकाश, सोनू, उमानाथ मिश्रा, अवधेश शुक्ला, गोपाल त्रिपाठी, बंटी ओझा, जाह्नवी ओझा, जैकी गुप्ता, चंद्रशेखर तिवारी, भोलानाथ त्रिपाठी, रविकांत पांडेय सहित सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए। इसी क्रम में गणेशपुर में ठाकुरद्वारा पंचमुखी हनुमान मंदिर रामनगर में पारसनाथ शुक्ला, विश्वनाथ शुक्ला, महंत विशंभर दास के द्वारा राम नवमी का आयोजन किया गया।

स्मैक की तस्करी करने वाले तीन अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित नैनी थाना पुलिस ने शुक्रवार को स्मैक की तस्करी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से कुल 38.18 ग्राम अवैध स्मैक, एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन, एक की-पैड मोबाइल फोन और 410 रुपये नगद बरामद किया। पुलिस उपायुक्त (यमुनानगर) विवेक चन्द्र यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में नैनी कोतवाली क्षेत्र में स्थित एफसीआई रोड गंगोत्री नगर निवासी रितिक कुमार, नैनी बाजार निवासी सलमान सिद्दीकी और नैनी के शाहजी का पूरा निवासी दीपक भारतीया हैं। उन्होंने बताया कि एक सूचना पर छिवकी स्टेशन के पास से तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे लोग स्मैक की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर आने-जाने वाले लोगों को बेचते थे। बरामद मोबाइल फोन के माध्यम से ग्राहकों से संपर्क करते थे। स्मैक उन्हें एक अज्ञात युवक लाकर देता था, जिसे वे पहचानते नहीं हैं। पुलिस उपायुक्त (यमुनानगर) ने बताया कि थाना नैनी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एचटी लाइन का तार टूटा,चिंगारी से कई बीघा गेहूं की फसल जल कर खाक

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के गांव बिसावर में शुक्रवार दोपहर हाईटेंशन लाइन से निकली चिंगारी से गेहूं के खेत में आग लग गई। यह घटना पुलिस चौकी के सामने पथवारी मंदिर जाने वाले मार्ग पर हुई। इस घटना में कई बीघा फसल जलकर खाक हो गई। शुक्रवार दोपहर करीब 2:30 बजे तेज हवा चलने के कारण हाईटेंशन लाइन के तार आपस में टकरा गए। इससे निकली चिंगारी गांव बिसावर निवासी उदय पाल की खड़ी गेहूं की फसल पर गिरी और आग तेजी से फैल गई। किसानों ने पानी और अन्य उपलब्ध संसाधनों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। इस घटना में कई बीघा गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई, जिससे किसान को भारी नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया । जिला पंचायत सदस्य ईशान चौधरी और पूर्व प्रधान विजयपाल सिंह ने पीड़ित किसान उदय पाल को ढांढस बंधाया और प्रशासन से उन्हें उचित मुआवजा दिलाने की मांग की।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश में गोरखपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

हजरतपुर के लाल हरप्रीत सिंह बने लेफ्टिनेंट, भव्य स्वागत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। ग्राम हजरतपुर निवासी हरप्रीत सिंह के भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट पद पर कमीशन प्राप्त करने और प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण कर गृह क्षेत्र लौटने पर गांव में हर्ष और गर्व का माहौल देखने को मिला। उनके स्वागत में आयोजित आभार एवं मिलन समारोह में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएं दीं लेफ्टिनेंट हरप्रीत सिंह ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा श्री गुरु नानक इंटर कॉलेज, पहाड़पुर खीरी से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने रक्षपाल बहादुर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, बरेली से स्नातक और स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की। वर्ष 2019 में भारतीय सेना में शामिल होकर उन्होंने अपने सैन्य जीवन की शुरुआत की और कड़ी मेहनत, अनुशासन व समर्पण के बल पर अधिकारी पद तक का सफर तय किया 11 दिसंबर 2025 को लखनऊ में आयोजित कमीशनिंग समारोह में उन्हें भारतीय सेना की आर्मी मेडिकल कोर में लेफ्टिनेंट के रूप में नियुक्ति मिली। इसके उपरांत उन्होंने ऑफिसर ट्रेनिंग कॉलेज, लखनऊ में कठिन प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा किया। वर्तमान में उनकी पहली तैनाती रांची में हुई है, जहां वे अपनी सेवाएं देंगे।

गृह क्षेत्र पहुंचने पर उनका फूल-मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया। समारोह में उपस्थित लोगों ने उनकी उपलब्धि को पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया। इस अवसर पर उनके पिता सरदार गुरमुख सिंह और माता बलविंदर कौर अपने पुत्र की सफलता से भावुक और गौरवान्वित नजर आए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लेफ्टिनेंट हरप्रीत सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, गुरुओं और मित्रों को देते हुए युवाओं को मेहनत और अनुशासन के साथ लक्ष्य प्राप्त करने का संदेश दिया।

इस अवसर पर गोला कोतवाल संतोष कुमार सहित प्रधान हरजिंदर सिंह, नवरूप सिंह, हरविंदर सिंह, गुरप्रीत सिंह, नरविंदर सिंह, सुखजिंदर सिंह, सुखबीर सिंह, नवजोत सिंह, गुरमीत सिंह, सोहन सिंह, जसविंदर सिंह, केवल सिंह, लखविंदर सिंह समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे और उन्होंने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

सब्जी अनुसंधान संस्थान की 15 नई किस्में विमोचित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। चुनार क्षेत्र के अदलपुरा स्थित भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान की 15 उत्कृष्ट शोध एवं उत्पादन वाली सब्जी किस्मों को शुक्रवार को 15वीं राज्य किस्म विमोचन समिति की बैठक में विमोचित किया गया। इसे संस्थान की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

विमोचित किस्मों में टमाटर, चेरी टमाटर, मटर, करैला, लौकी, ग्वार, विंग्ड बीन, चौलाई, सिंघाड़ा, बेबी कॉर्न और कमल (लोटस) जैसी फसलें शामिल हैं। टमाटर की काशी चेरी टमाटर-3 व 14, काशी दक्ष, काशी श्रेष्ठा और काशी आर्या जैसी किस्में बेहतर उत्पादन व रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए विकसित की गई हैं।

वहीं मटर की काशी त्रिशक्ति व काशी धन्वी भी रोग प्रतिरोधी और अगेती किस्में हैं।

अन्य फसलों में काशी अर्पिता करैला, काशी प्रिया लौकी, काशी रुद्राक्ष विंग्ड बीन, काशी लाल चौलाई, काशी सिंघाड़ा-1, काशी परी बेबी कॉर्न और काशी वैभव कमल की किस्में विशेष रूप से उपयोगी बताई गई हैं। इनमें उच्च उत्पादन, पोषण मूल्य और प्रतिकूल परिस्थितियों को सहने की क्षमता है।

संस्थान के निदेशक डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि यह उपलब्धि किसानों की आय बढ़ाने और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि संस्थान ल्लविकसित भारत 2047ङ्क के लक्ष्य को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य कर रहा है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की नजर खिताब बचाने पर सीएसके, केकेआर और मुंबई भी प्रबल दावेदार

एजेंसी

बेंगलुरु। मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) शनिवार से यहां शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपना खिताब बचाने के लिए प्रतिबद्ध होगा जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस अपनी खोई प्रतिष्ठा हासिल करने की कोशिश करेंगे।

आईपीएल में अगले दो महीनों में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के साथ कुछ युवा खिलाड़ियों पर भी नजर रहेगी जो अच्छा प्रदर्शन करके अपनी छाप छोड़ने में कोई कसर नहीं रखेंगे। आरसीबी टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स

हैदराबाद की मेजबानी करेगा और उसका लक्ष्य शानदार शुरुआत करना होगा। लेकिन इस मैच से पहले माहौल थोड़ा गंभीर बना हुआ है क्योंकि पिछले साल चार जून को आरसीबी के खिताब जीतने के जश्न के दौरान स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई थी। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और आरसीबी प्रबंधन ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जान गंवाने वाले लोगों की स्मृति को बनाए रखने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। केएससीए ने स्टेडियम में 11 सीटें स्थायी रूप से खाली छोड़ने की घोषणा की है। इस स्टेडियम को आईपीएल मैचों की मेजबानी के लिए राज्य सरकार से अनुमति मिलने से पहले कई अनिश्चित महीनों का सामना करना पड़ा था। आरसीबी के खिलाड़ी पहले मैच के दिन अभ्यास सत्र के दौरान 11 नंबर की जर्सी पहनेंगे। जहां तक मैच का सवाल है तो आरसीबी और सनराइजर्स दोनों के पास गेंदबाजी संसाधनों की कमी है। आरसीबी को जोश हेज़लवुड और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल के बिना खेलना होगा। दोनों ने 2025 के विजयी अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन विभिन्न कारणों से इस वर्ष वे अधिकतर मैचों में बाहर रहेंगे। हेज़लवुड ऑस्ट्रेलिया में चोट से उबरकर पूरी तरह फिट होने के लिए प्रयास कर रहे हैं और वह बाद में टीम में शामिल हो सकते हैं। यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे दयाल पूरे सत्र से बाहर रहेंगे। आरसीबी को अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार, स्पिनर क्रुणाल पंड्या, सुयश शर्मा और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मंगेश यादव पर काफी हद तक निर्भर रहना होगा। सनराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस भी शुरुआती चरण में टीम में नहीं होंगे। ईशान किशन को कार्यवाहक कप्तान बनाया गया है। लेकिन सनराइजर्स के बैकअप विकल्प ज्यादा भरोसेमंद नहीं लगते। ब्रायडन कार्स, जयदेव उनादकट, हर्षल पटेल और हर्ष दुबे को सपाट पिचों पर कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

भारतीय कंपाउंड मिश्रित टीम ने स्वर्ण पदक जीता, व्यक्तिगत वर्ग में क्लीन स्वीप किया

एजेंसी

बैंकॉक। भारत के कंपाउंड तीरंदाजों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को यहां एशिया कप विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट के पहले चरण में मिश्रित टीम का स्वर्ण पदक और महिला टीम का रजत पदक जीता और पुरुषों के व्यक्तिगत वर्ग में क्लीन स्वीप किया। भारत ने इस तरह से अब इस प्रतियोगिता में दो स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक जीत दिए हैं। उसके कुल पदकों की संख्या आठ हो गई है जो पिछले साल के टूर्नामेंट के बराबर है। भारत ने दो कांस्य पदक बुधवार को महिला रिकर्व टीम और पुरुष कंपाउंड टीम ने जीते थे। भारत को दिन में बाद में होने वाले अन्य फाइनल में महिला रिकर्व व्यक्तिगत (रिधि फोर) और पुरुष रिकर्व टीम से पदक मिलना सुनिश्चित है। दिन का मुख्य आकर्षण पुरुषों के कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में क्लीन स्वीप रहा। उदय कंबोज ने रोमांचक फाइनल में हमवतन प्रथमेश जवकर को 145-144 से हराकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीता, जबकि अनुभवी खिलाड़ी रजत चौहान ने कांस्य पदक हासिल किया। चौहान ने अंतिम सेट में अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए तीन सटीक तीर लगाकर स्थानीय खिलाड़ी पीरावत रत्तनपोंगकियात को 145-144 से हराया जिससे भारत इस स्पर्धा में क्लीन स्वीप करने में सफल रहा। भारत के दो 22 वर्षीय खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में कंबोज ने अधिक अनुभवी प्रथमेश जवकर के खिलाफ कड़े मुकाबले में 145-144 से जीत हासिल की। इस मैच में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। जवकर दूसरे सेट के बाद 59-57 से आगे थे। कंबोज ने तीसरे सेट में 87-87 के स्कोर पर बराबरी करते हुए शानदार वापसी की और फिर चौथे सेट में जवकर की थोड़ी सी चूक का फायदा उठाते हुए 116-115 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद उन्होंने अंतिम सेट में अपना संयम बनाए रखा और यादगार जीत हासिल की। अठारह वर्षीय तेजल साल्वे ने तटस्थ ध्वज के तहत प्रतिस्पर्धा कर रही रूसी तीरंदाज मारिया दिमिडियुक को 144-135 से हराकर महिला कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में कांस्य पदक जीता। तेजल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 15 तीरों में सिर्फ छह अंक गंवाए और एशिया कप में अपना दूसरा पदक हासिल किया। इससे पहले उन्होंने सिंगापुर में दूसरे चरण में स्वर्ण पदक जीता था। सुबह के सत्र का मुख्य आकर्षण चिकिता तनिपार्थी और रजत चौहान की शीर्ष वरीयता प्राप्त मिश्रित टीम जोड़ी थी, जिन्होंने स्वर्ण पदक मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशिया को 158-156 से हराया।

गोरखपुर में एशियाई खेलों के लिए भारतीय महिला रोइंग टीम का शिविर शुरू

एजेंसी

नयी दिल्ली। जापान में इस साल के आखिर में होने वाले एशियाई खेलों के लिए टीम की तैयारियों को और मजबूत करने के उद्देश्य से महिलाओं के लिए 51 दिवसीय राष्ट्रीय रोइंग शिविर शुक्रवार को गोरखपुर में शुरू हो गया। रामगढ़ झील स्थित जल क्रीड़ा परिसर में यह शिविर भारतीय रोइंग महासंघ के अनुरोध पर भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों के लिए टीम को अच्छी तरह से तैयार करना है। भारतीय रोइंग महासंघ के उपाध्यक्ष और उत्तर प्रदेश रोइंग संघ के सचिव सुधीर शर्मा ने बताया कि खिलाड़ी और कोच गोरखपुर पहुंच चुके हैं। एशियाई खेलों में रोइंग प्रतियोगिताएं 20 से 25 सितंबर तक गिफू प्रांत के काइजू शहर में स्थित नागरागावा अंतरराष्ट्रीय रेगाटा कोर्स में आयोजित की जाएंगी। शर्मा ने बताया कि चुने गए खिलाड़ी 51 दिवसीय शिविर के दौरान सिंगल स्कल्स, डबल स्कल्स, पेयर्स और फोर्स स्पर्धा में अभ्यास करेंगे। उत्तर प्रदेश में पहली बार इस तरह के शिविर का आयोजन किया जा रहा है। पुरुषों का रोइंग शिविर पहले से ही पुणे में आर्मी नोड में चल रहा है। अधिकारी ने बताया कि रामगढ़ झील का विकास अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार किया गया है और इसका पानी स्थिर होने से खिलाड़ियों को अभ्यास में मदद मिलने की उम्मीद है। शिविर के लिए चुने गए खिलाड़ी इस प्रकार हैं: किरण (हरियाणा), मृण्मयी सलगांवकर (महाराष्ट्र), रुक्मणी, विद्या शंकर (मध्य प्रदेश), बी. आनंदी, किरण देवी (अखिल भारतीय पुलिस नियंत्रण बोर्ड/मेघालय), अश्विनी कुमारन, सानिया कृष्णन, अन्ना हेलेन, हिमा टी., एंजेल मैरी (केरल), मोनिका बदोरिया, अंशिका भारती (ओडिशा)। कोचः राजेश कुमार (सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड), ममता जेना (अखिल भारतीय पुलिस नियंत्रण बोर्ड)।

ज़्वेरेव सेमीफाइनल में जानिक सिनर का सामना करेंगे

एजेंसी

मियामी। अलेक्जेंडर ज़्वेरेव ने गुरुवार को मियामी ओपन में जानिक सिनर के साथ सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली, जब उन्होंने फ्रांसिस्को सेरुंडोलो के खिलाफ 6-1, 6-2 से शानदार जीत दर्ज की। यह जीत पहली बार है जब 27 वर्षीय खिलाड़ी एक ही सीजन में इंडियन वेल्स और मियामी दोनों में अंतिम चार में पहुंचे हैं। अपने 25वें एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद ज़्वेरेव ने कहा, कल सबसे कठिन परीक्षा होगी। मैं इसके लिए उत्सुक हूं। मैं काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं, और उम्मीद है कि यह सिलसिला जारी रहेगा। ज़्वेरेव ने एक घंटे, पांच मिनट तक चले इस मैच के दौरान कभी भी अपना नियंत्रण नहीं खोया। दो बार के एटीपी फाइनल्स चैंपियन ने अपनी पहली सर्विस में से 76 प्रतिशत (32/46) सही जगह पर डालीं और उन पॉइंट्स में से 84 प्रतिशत (27/32) जीते। उन्होंने अपने द्वारा अर्जित सात ब्रेक पॉइंट्स में से चार भी जीते। क्वार्टर-फाइनल की इस जीत के साथ, जर्मन खिलाड़ी ने अर्जेंटीना के खिलाड़ी के खिलाफ अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की, जिससे उनकी हेड 2 हेड सीरीज़ में 4-3 की बढ़त हो गई। ज़्वेरेव को इस सीज़न में सेरुंडोलो के खिलाफ बढ़त मिली है, उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन में और फिर मियामी में उन्हें सीधे सेटों में हराया है। अर्जेंटीना का यह खिलाड़ी इन सेटों में से किसी में भी चार से ज़्यादा गेम नहीं जीत पाया है। तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अब अपना ध्यान सिनर के साथ होने वाले सेमीफ़ाइनल मुकाबले पर केंद्रित करेंगे। वे इस महीने की शुरुआत में इंडियन वेल्स में इस इतालवी खिलाड़ी के हाथों सीधे सेटों में मिली हार का जवाब देने की कोशिश करेंगे। इन दोनों के बीच हुई प्रतिद्वंद्विता में सिनर 7-4 से आगे हैं; उन्होंने इन दोनों के बीच हुए पिछले छह मुकाबलों में से हर एक में जीत हासिल की है। हालाँकि, ज़्वेरेव दक्षिण फ़्लोरिडा में काफ़ी मज़बूत और लगातार अच्छी फ़ॉर्म में रहे हैं। इस टूर्नामेंट के चार में से तीन मैचों में उन्हें एक भी 'ब्रेक पॉइंट' का सामना नहीं करना पड़ा है। वे सिनर के ख़िलाफ़ भी इसी स्तर को बनाए रखने की कोशिश करेंगे; सिनर ने अब एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार 30 सेट जीते हैं। ज़्वेरेव ने अपनी नई और ज़्यादा आक्रामक खेल शैली के बारे में कहा, ह्लअगर इसका फ़ायदा जल्दी मिल जाता है, तो यह और भी बेहतर है।मैं थोड़ी मुश्किलों का सामना करने के लिए तैयार था, लेकिन कोर्ट पर मैं काफ़ी अच्छा महसूस कर रहा हूँ। सेरुंडोलो-जो 2022 में अपने पहले ही प्रयास में मियामी के सेमीफ़ाइनल तक पहुँचे थे, और 2023 व 2025 में क्वार्टर-फ़ाइनल तक का सफ़र तय किया था-तीसरे दौर में दुनिया के 10वें नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव को हराने के बाद मियामी में एक बार फिर अपनी सर्वश्रेष्ठ फ़ॉर्म में नजर आए। हालाँकि, यह अर्जेंटीनाई खिलाड़ी ज़्वेरेव के खेल के स्तर का मुक़ाबला नहीं कर सका, और इस तरह वह अपने तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफ़ाइनल में पहुँचने का मौक़ा गँवा बैठा।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में मामूली गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। सिर्फ एक दिन की तेजी के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में आज एक बार फिर गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। शुरुआती कारोबार के दौरान सोना आज 1,970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,140 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज 200 रुपये प्रति किलोग्राम की सांकेतिक कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,540 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,44,690 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,44,540 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,32,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,44,690 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,44,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

अदालत ने रिलायंस इंडस्ट्रीज मुकेश अंबानी के खिलाफ सीबीआई जांच की याचिका खारिज की

एजेंसी

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और उसके चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि कंपनी ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ओएनजीसी के कृष्णा-गोदावरी बेसिन क्षेत्रों से प्राकृतिक गैस का अवैध रूप से निकाला गया है। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति सुमन श्याम की पीठ ने याचिकाकर्ता जितेंद्र मारू की याचिका को खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता ने चोरी, बेईमानी, गबन और आपराधिक विश्वासघात जैसे अपराधों के लिए प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी। अदालत के आदेश की प्रति अभी उपलब्ध नहीं हुई है। जितेंद्र मारू के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कथित तौर पर 2004 से 2013 के बीच बड़े पैमाने पर संगठित धोखाधड़ी करते हुए अपने अनुबंधित गहरे समुद्री कुओं से ड्रिलिंग कर ओएनजीसी के क्षेत्रों के पास स्थित कुओं से अवैध रूप से प्राकृतिक गैस निकाली। याचिका में दावा किया गया कि ओएनजीसी ने 2013 में इस कथित अनधिकृत दोहन का पता लगाया था और इसकी सूचना भारत सरकार को दी थी। याचिकाकर्ता जितेंद्र मारू ने अपनी याचिका में परामर्श कंपनी डीगोलियर एंड मैकनॉटन द्वारा की गई स्वतंत्र जांच और सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति ए. पी. शाह समिति की रिपोर्ट का हवाला दिया। इन रिपोर्टों में निष्कर्ष निकाला गया था कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने ओएनजीसी के भंडार से गैस निकाली थी।

डब्ल्यूटीओ की विवाद निपटान प्रणाली को कार्यशील बनाने की जरूरतः पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सदस्य देशों से विवाद निपटान प्रणाली को पूरी तरह से कार्यशील बनाने की दिशा में काम करने का आह्वान किया है। इसका कारण वर्तमान में यह व्यवस्था निष्क्रिय है, जिससे देशों को विवादों के प्रभावी निपटान से वंचित होना पड़ रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में सुधारों को पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से लागू करने का आह्वान किया। उन्होंने अपने संबोधन में विकास को केंद्र में रखे जाने की बात कही। गोयल 26 मार्च से अफ्रीकी देश कैमरून के याउंडे में आयोजित विश्व व्यापार संगठन के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। डब्ल्यूटीओ के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) के पहले दिन गोयल ने कहा कि ई-कॉमर्स व्यापार पर सीमा शुल्क रोक को आगे बढ़ाने के संबंध में सावधानीपूर्वक पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''एक निष्क्रिय विवाद निपटान प्रणाली ने सदस्य देशों को विवादों के प्रभावी निपटान से वंचित कर दिया है। हमें स्वचालित और बाध्यकारी विवाद निपटान प्रणाली को बहाल करना होगा। डब्ल्यूटीओ की विवाद निपटान व्यवस्था 2009 से ठीक से काम नहीं कर रही है क्योंकि अमेरिका ने अपीलीय निकाय में सदस्य देशों की नियुक्तियों में बाधा डाली है। भारत ने सीमा शुल्क स्थगन के दायरे पर चर्चा करने की आवश्यकता पर बार-बार बल दिया है, क्योंकि इससे

राजस्व पर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा, ''इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन को लेकर सीमा शुल्क पर स्थगन के दायरे के मामले में सदस्यों के बीच आम सहमति के अभाव में और इसके संभावित महत्वपूर्ण प्रभावों को देखते हुए इस स्थगन के निरंतर विस्तार पर सावधानीपूर्वक पुनर्विचार की आवश्यकता है। विश्व व्यापार संगठन के सदस्य देशों ने 1998 से 'इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन' पर सीमा शुल्क नहीं लगाने पर सहमति व्यक्त की है। इस रोक को समय-समय पर मंत्रिस्तरीय सम्मेलनों में बढ़ाया गया है। डब्ल्यूटीओ का मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 166 सदस्यों का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है। डब्ल्यूटीओ सुधारों पर मंत्री ने कहा कि आवश्यक सुधार एक पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से किए जाने चाहिए। इसमें विकास को केंद्र में रखा जाए और गैर-भेदभाव, आम सहमति आधारित निर्णय लेने और समानता जैसे मूलभूत सिद्धांतों को बनाए रखा जाए। गोयल ने कृषि पर कहा कि खाद्य सुरक्षा उद्देश्यों के लिए सार्वजनिक भंडारण, विशेष सुरक्षा उपाय और कपास पर स्थायी समाधान काफी समय से लंबित मुद्दे हैं और सदस्य देशों को 'प्राथमिकता के आधार पर इन पर निर्णय करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''भारत एक व्यापक मत्स्य पालन सब्सिडी समझौते पर बातचीत करने के लिए प्रतिबद्ध है जो वर्तमान और भविष्य की मछली पकड़ने की जरूरतों को संतुलित करे, गरीब मछुआरों की आजीविका की रक्षा करे और उचित एवं प्रभावी नियंत्रण एवं परिवर्तन उपायों को लागू करे। गोयल ने कहा कि डब्ल्यूटीओ रूपरेखा में बहुपक्षीय परिणामों को शामिल करना आम सहमति पर आधारित होना चाहिए। मंत्री ने कहा, हम रचनात्मक रूप से इस बात के लिए प्रयासरत रहेंगे कि डब्ल्यूटीओ वैश्विक व्यापार का केंद्र बना रहे। हम इसमें सुधार करने का प्रयास करेंगे ताकि यह जवाबदेह बना रहे, विकास, समानता और समावेश के लक्ष्यों को पूरा करने में सक्षम हो और आम सहमति और बहुपक्षवाद पर आधारित होकर गरीब, कमजोर और हाशिए पर रहने वाले लोगों के हितों की बेहतर सेवा कर सके। एमसी14 बैठकों के पहले दिन के दौरान गोयल ने कैमरून के प्रधानमंत्री डायोन न्यूटे जोसेफ से मुलाकात की और भारतऽकैमरून सहयोग को और मजबूत करने के उपायों सहित द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की।

संक्षिप्त समाचार

एशियाई खेलों के लिए कबड्डी शिविर बेल्लारी में

बेल्लारी (कर्नाटक)। नवीन कुमार, पवन सहरावत, अर्जुन देशवाल और सोनाली विष्णु शिंगेट सहित पुरुष और महिला वर्ग के कई प्रमुख कबड्डी खिलाड़ी इस वर्ष के आखिर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों से पहले यहां अनुकूलन शिविर में भाग ले रहे हैं। यह शिविर 27 मार्च से दो अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा जिसमें खिलाड़ियों के विकास, फिटनेस, अनुकूलन और प्रदर्शन में उत्कृष्टता हासिल करने पर ध्यान दिया जाएगा। भारत लंबे समय से इस खेल में एक मजबूत शक्ति रहा है। दशकों से पुरुष और महिला दोनों वर्गों में भारत महाद्वीपीय स्तर पर अपना दबदबा बनाए हुए है। एशियाई खेलों में पुरुष और महिला कबड्डी दोनों में भारत मौजूदा चैंपियन है। भारतीय एमेच्योर कबड्डी महासंघ ने एक विज्ञप्ति में बताया कि पुरुष वर्ग में नवीन कुमार, अर्जुन देशवाल, पवन सहरावत, असलम इनामदार, सुनील कुमार, आशु मलिक और भरत हुड्डा शिविर का हिस्सा हैं। महिला टीम में प्रमुख खिलाड़ियों में कबड्डी विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम की सदस्य शामिल हैं। इनमें कप्तान रितु नेगी, सोनाली विष्णु शिंगेट, पुष्पा राणा, चंपा ठाकुर, पिंकी रॉय, प्रिया और कार्तिका आर प्रमुख हैं। यह शिविर बेल्लारी स्थित इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट (आईआईएस) में आयोजित किया जा रहा है।

एमबापे के गोल से फ्रांस ने ब्राजील को हराया

फॉक्सबोरो (अमेरिका)। स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबापे के गोल की मदद से फ्रांस ने विश्व कप फुटबॉल से पहले एक महत्वपूर्ण मैत्री मैच में ब्राजील को 2-1 से हराया। एमबापे इस मैच से पहले घुटने की चोट से जूझ रहे थे लेकिन उन्होंने दिखाया कि फिलहाल वह इस समस्या से परेशान नहीं हैं। उन्होंने 65वें मिनट में मैदान छोड़ने से पहले एक महत्वपूर्ण गोल किया। स्टेडियम में मौजूद 66215 दर्शक ब्राजील का समर्थन कर रहे थे लेकिन एमबापे (32वें मिनट) और ह्यूगो एकितिके (65वें) ने गोल करके फ्रांस को उस मैदान पर 2-0 की बढ़त दिला दी, जहां वह विश्व कप के ग्रुप चरण के अपने अंतिम मैच में नॉर्वे का सामना करेगा। ब्राजील की तरफ से एकमात्र गोल ब्रेमर ने 78वें मिनट में किया लेकिन इससे वह हार का अंतर ही कम कर पाये। ब्राजील अब मंगलवार को ऑरलैंडो, फ्लोरिडा में क्रोएशिया के खिलाफ खेलेगा, जो इन दोनों टीम के बीच 2022 के विश्व कप क्वार्टर फाइनल के बाद पहला मुकाबला होगा। फ्रांस रविवार को मैरीलैंड के लैंडओवर में कोलंबिया के खिलाफ मैत्री मैच खेलेगा।

बोलिविया ने सूरीनाम को हराया, अब मुकाबला इराक से

मॉन्टेरी (मैक्सिको)। मोइसेस पानिगुआ और मिगुएल टेरसेरोस ने दूसरे हाफ में सात मिनट के अंतराल में गोल किए जिससे बोलीविया ने गुरुवार को सूरीनाम को 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के क्वालीफाइंग प्लेऑफ के फाइनल में जगह बनाई जहां उसका सामना इराक से होगा। गुरुवार को एक अन्य मैच में स्ट्राइकर बेली कैडामार्टेरी के गोल की मदद से जमैका ने न्यू कैलेडोनिया पर 1-0 से जीत हासिल की और अंतरराष्ट्रीय प्लेऑफ फाइनल में जगह बनाई। उसे विश्व कप में जगह बनाने के लिए अब कांगो का सामना करना होगा। लियाम वैन गेलडेरेन ने 48वें मिनट में सूरीनाम को बढ़त दिलाई, लेकिन पानिगुआ ने 72वें मिनट में स्कोर बराबर कर दिया और टेरसेरोस ने 79वें मिनट में पेनल्टी किक पर विजयी गोल दागा। बोलिविया की टीम ने इससे पहले केवल 1994 में अमेरिका में खेले गए विश्व कप में भाग लिया था। सूरीनाम पहली बार क्वालीफाई करने की कोशिश कर रहा था।

ईरान ने अपनी टीमों को 'शत्रु' देशों की यात्रा करने से प्रतिबंधित किया

तेहरान। ईरान ने अपनी खेल टीमों को उन देशों की यात्रा करने से प्रतिबंधित कर दिया है जिन्हें वह ''शत्रु'' मानता है। ईरान के सरकारी टीवी ने सऊदी अरब में उनके देश के फुटबॉल क्लब ट्रैक्टर एफसी के निर्धारित मैच से पहले गुरुवार को यह जानकारी दी। तेहरान में ईरान के खेल मंत्रालय द्वारा घोषित प्रतिबंध में विश्व कप फुटबॉल का कोई जिक्र नहीं किया गया है जो 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में शुरू हो रहा है। मंत्रालय के बयान में दुबई के शबाब अल अहली के खिलाफ सऊदी अरब में होने वाले ट्रैक्टर एफसी के मैच का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। यह एशियाई चैंपियंस लीग एलीट का प्लेऑफ मैच है। बयान के अनुसार, ''जिन देशों को शत्रु माना जाता है और जो ईरान के खिलाड़ियों और टीम के सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में असमर्थ हैं, उन देशों में राष्ट्रीय और क्लब टीमों की उपस्थिति की अगले आदेश तक प्रतिबंधित रहेगी। एशियाई फुटबाल परिसंघ ने बुधवार को प्लेऑफ के ड्रॉ निर्धारित किए थे जिसके अनुसार इन मैच का आयोजन 13 और 14 अप्रैल को सऊदी अरब के जेद्दा में होना है। इनमें ईरान के क्लब ट्रैक्टर एफसी का मैच भी शामिल था।

इक्रा ने भारतीय विमानन क्षेत्र का परिदृश्य घटाकर 'नकारात्मक' किया

मुंबई। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने भारतीय विमानन उद्योग के परिदृश्य को 'स्थिर' से घटाकर शुक्रवार को 'नकारात्मक' कर दिया। एजेंसी ने इसके पीछे पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में पैदा हुई बाधाओं का हवाला दिया है। इक्रा ने कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में भारी गिरावट और विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में संभावित बढ़ोतरी के कारण यह बदलाव किया गया है। एजेंसी के अनुसार, इन कारकों से विमानन कंपनियों पर लागत का दबाव काफी बढ़ने की आशंका है, जबकि दूसरी ओर मांग में गिरावट का जोखिम बना हुआ है। रेटिंग एजेंसी के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष (2025-26) में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या में केवल शून्य से तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। वहीं, भारतीय विमानन कंपनियों के अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या सात से नौ प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है, जो अपेक्षाकृत कमजोर मांग की ओर इशारा करता है। पश्चिम एशिया संकट से पहले, इक्रा ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या में छह से आठ प्रतिशत और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों में आठ से 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान जताया था।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

चैत्र नवरात्र के नौंवे व अन्तिम दिन मां सिद्धिदात्री और महालक्ष्मी गौरी के दरबार में श्रद्धालुओं का लगा तांता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

■ माता सिद्धिदात्री की कृपा से भगवान शंकर को मिली समस्त सिद्धियां, अर्धनारीश्वर भी कहलाए

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी) में वासंतिक चैत्र नवरात्र का नौवां और अन्तिम दिन मां सिद्धिदात्री व आदिशक्ति के गौरी स्वरूप महालक्ष्मी गौरी को समर्पित है। शुक्रवार को परम्परानुसार श्रद्धालुओं ने गोलघर स्थित मां सिद्धिदात्री और भगवती के गौरी स्वरूप में लक्ष्मीकुंड स्थित महालक्ष्मी गौरी के दरबार में विधिवत हाजिरी लगाई। दोनों मंदिरों में भोर से ही श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचने लगे। श्रद्धालु मां का दर्शन पूजन कर आह्लादित दिखे।

मां सिद्धिदात्री के मंदिर में तड़के मंदिर के पुजारी की देखरेख में आदि शक्ति के विग्रह को पंचामृत स्नान कराने के बाद विधि विधान से श्रृंगार किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भोग,मंगला आरती कर मंदिर का पट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। दरबार खुलते ही पूजन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लग गया। श्रद्धालु जय माता दी का उद्घोष कर देवी के दरबार में मत्था टेक कर नारियल, गुड़हल की माला, लाल चुनरी व प्रसाद अर्पित कर अपनी मुरादें पूरी करने की गुहार लगाते रहे। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति सिद्धिदात्री हैं। नवमी के दिन इनके पूजन-अर्चन से सभी सिद्धियों की प्राप्ति होती है। मां जगत के कल्याण के लिए नौ रूपों में प्रकट हुई और इन रूपों में अंतिम रूप है देवी सिद्धिदात्री है । शिव महापुराण, ब्रह्मवैवर्त पुराण और देवी पुराण के अनुसार भगवान शिव इन्हीं की कृपा से सिद्धियों को प्राप्त करने के बाद अर्धनारीश्वर कहलाये। भगवान शिव को मिले आठ सिद्धियों में अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व शामिल हैं। मां सिद्धिदात्री महालक्ष्मी के समान कमल पर विराजमान हैं। मां के चार हाथ हैं। मां ने हाथों में शंख, गदा, कमल का फूल और चक्र धारण किया है। मां सिद्धिदात्री को माता सरस्वती का रूप भी माना जाता हैं। नौवें दिन भगवती के गौरी स्वरूप में महालक्ष्मी गौरी के पूजन का महात्म्य है। महालक्ष्मी गौरी के दरबार में भी भी दर्शन पूजन के लिए भोर से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। मान्यता है कि माता महालक्ष्मी की कृपा से वैभव और समृद्धि प्राप्त होती है। खान-पान का वैभव भी महालक्ष्मी से प्राप्त होता है।

बागपत जिला प्रशासन ने पुरा महादेव मंदिर में किया जीरो वेस्ट महोत्सव, पेश किया मंदिर क्लस्टर मॉडल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बागपत। बागपत जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप मंदिर क्लस्टर मॉडल' पेश किया है। जिसके तहत जिले के प्रसिद्ध पुरा महादेव मंदिर को प्रसंस्करण केंद्र बना कर, आसपास के मंदिरों में चढ़ाई गई पूजा सामग्री और अन्य अपशिष्ट पदार्थों का सामुदायिक और वैज्ञानिक तरीके से रिसाइकिल कर बायो डिग्रीडेबल सामानों में बदला गया है। इस पहल से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बल मिला है, बल्कि स्थानीय महिलाओं को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हुए। इस क्रम में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में महाशिवरात्रि के अवसर पर 'जीरो वेस्ट महोत्सव' का आयोजन किया गया। जो पुरा महादेव मंदिर के मंदिर क्लस्टर मॉडल का सफल प्रयोग साबित हुआ है। वर्तमान में बागपत का ये मॉडल आज पूरे देश में आस्था के साथ अर्थव्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल के तौर पर देखा जा रहा है। बागपत की जिलाधिकारी, अस्मिता लाल की पहल पर शुरू किए गए पुरा महादेव में अपनाए गए मंदिर क्लस्टर मॉडल में पूजा सामग्री को 'अपशिष्ट' नहीं बल्कि 'संसाधन' के रूप में देखा गया। अभिषेक में चढ़ाए गए लगभग 47 क्विंटल दूध को नष्ट होने से बचाकर गोशालाओं और पशु सेवा नेटवर्क तक पहुंचाया गया। वहीं, 450 किलोग्राम से अधिक पुष्प सामग्री को वैज्ञानिक तरीके से सुखाकर 43.5 किलोग्राम उपयोगी सूखी सामग्री में बदला गया, जिसका उपयोग अगरबत्ती और हर्बल उत्पादों के निर्माण में किया गया। मंदिर से निकलने वाले लगभग एक टन जैविक कचरे को कम्पोस्ट खाद में बदल कर खेतों में उपयोग किया गया। वहीं, प्रकृति की शत्रु के रूप में जानी जाने वाली प्लास्टिक की 700 किलोग्राम से अधिक बोतलों को फाइबर फिल में बदलकर कुशन, गद्दे और 'नन्ही कली' गुड़ियों के निर्माण में इस्तेमाल किया गया।

वहीं, 2500 से अधिक त्यागी गई चप्पलों को रिसाइकिल कर बैठने के मैट, पावदान व अन्य दैनिक उपयोग के समान बनाए गये। बागपत के मंदिर क्लस्टर मॉडल की खास बात यह है कि समुदायिक प्रबंधन प्रणाली का उपयोग कर इस कार्य में स्थानीय महिलाओं और स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर रोजगार के अवसरों का सृजन किया गया। महिलाओं ने पुष्प प्रसंस्करण और अन्य सामग्रियों के निर्माण कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही, जेल में बंद कैदियों द्वारा बनाए गए कपड़े के थैलों का उपयोग कर प्लास्टिक के उपयोग को भी कम किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं को भी स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया और उन्होंने स्वेच्छा से इस अभियान में सहयोग किया। परिणामस्वरूप, मंदिर परिसर में उत्सव के दौरान साफ-सफाई और अनुशासन में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला। पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह पहल बेहद प्रभावी साबित हुई। इस अभियान से लगभग 1.45 टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य उत्सर्जन में कमी आई। जो दर्शाता है कि धार्मिक आयोजनों में छोटे-छोटे बदलाव भी बड़े पर्यावरणीय लाभ दे सकते हैं। बागपत जिला प्रशासन का मानना है कि पुरा महादेव मॉडल को अन्य धार्मिक स्थलों पर भी लागू किया जा रहा है। बागपत के पुरा महादेव मंदिर का मंदिर क्लस्टर मॉडल आस्था के साथ अर्थव्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण के अनूठे संगम के रूप में देश भर के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरा है।

आईएमए ने रेडक्रॉस की सदस्यता अनिवार्य करने का किया विरोध

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जनपद में रेडक्रास सोसायटी की सदस्यता अनिवार्य किए जाने को लेकर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने शुक्रवार को कड़ा विरोध जताते हुए विधिक कदम उठाने की चेतावनी दी है। आईएमए की ओर से आयोजित सामान्य सभा में निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम, पैथोलॉजी लैब एवं ब्लड बैंक को रेड क्रॉस सोसायटी की सदस्यता लेने और आर्थिक सहयोग देने के निर्देशों पर कड़ा विरोध जताया है। सभा में उपस्थित चिकित्सकों ने सर्वसम्मति से कहा कि किसी भी संस्था की सदस्यता या आर्थिक योगदान को अनिवार्य नहीं बनाया जा सकता। इसे स्वैच्छिक ही रखा जाना चाहिए।

चैत्र नवरात्र की नवमी पर औरैया में कन्या पूजन व भोज का आयोजन, की गई पुष्प वर्षा

■ चैत्र नवरात्र नवमी पर धीरजपुर में कन्या पूजन व भव्य कन्या भोज का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। चैत्र नवरात्र की नवमी पर समाजसेवी संगठन एक विचित्र पहल सेवा समिति रजि. औरैया द्वारा शुक्रवार को ग्राम धीरजपुर स्थित ग्रामीण कार्यालय में कन्या पूजन एवं कन्या भोज का आयोजन किया गया। सुबह से शुरू हुए इस कार्यक्रम में श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं और बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नन्हीं कन्याओं को देवी स्वरूप मानते हुए उनके मस्तक पर रोली का तिलक लगाया गया, पुष्प वर्षा की गई तथा विधिवत आरती कर पूजन किया गया। इसके बाद कन्याओं को प्रसाद स्वरूप पूड़ी, सब्जी और मिष्ठान सहित भोजन कराया गया। आयोजन में कन्याओं को दक्षिणा, फल, उपहार और नमकीन भेंट कर सम्मानित किया गया। बच्चों द्वारा सामूहिक रूप से माता के जयघोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम संयोजक समाजसेवी एल.एन. गुप्ता एवं उनकी धर्मपत्नी पुष्पा गुप्ता का आयोजन में विशेष योगदान रहा। समिति के संस्थापक आनंद नाथ गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि धीरजपुर स्थित इस ग्रामीण कार्यालय में नवरात्र के अवसर पर प्रतिवर्ष दो बार कन्या पूजन और कन्या भोज का आयोजन विधि-विधान के साथ किया जाता है। महिला शाखा 'तुलसी' की प्रभारी बबिता ने बताया कि नवरात्र के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा अत्यंत शुभ और फलदायी मानी जाती है। विशेष रूप से अष्टमी और नवमी के दिन कन्या पूजन का महत्व अधिक होता है। मान्यता है कि कन्याओं में देवी दुर्गा के विभिन्न रूपों का वास होता है और सच्चे मन से उनकी सेवा करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष राजीव पोरवाल (रानू), अनीता पोरवाल, प्रखर गुप्ता, तारावती, हरगोविंद तिवारी, धर्म अग्रवाल, प्रदीप सिंह सेंगर, धर्मेंद्र कुमार, हिमांशु दुबे, सतीश कुमार सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

महाअष्टमी-नवमी पर उमड़ा आस्था का सैलाब

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। चुनार क्षेत्र के अदलपुरा स्थित बड़ी शीतला माता धाम में महाअष्टमी और नवमी तिथि पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। गुरुवार रात से शुक्रवार तक धाम परिसर में लाखों श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा रहा। रात्रि श्रृंगार आरती के दर्शन के लिए श्रद्धालु पूरी रात कतारों में डटे रहे। बताया जाता है कि इस दौरान करीब चार लाख श्रद्धालुओं ने मां गौरी व मां सिद्धिधात्री स्वरूप का दर्शन-पूजन कर मनोकामनाएं मांगीं। भीड़ के चलते मंदिर का कपाट केवल रात 12 से 1 बजे तक एक घंटे के लिए बंद किया गया, बाकी समय दर्शन-पूजन लगातार चलता रहा। श्रद्धालु नारियल, चुनरी, पुड़ी-हलवा, पुआ व फल-फूल लेकर जयकारे लगाते हुए गर्भगृह तक पहुंचे और मां को भोग अर्पित किया। मान्यता के अनुसार भक्तों ने संतान सुख व समृद्धि की कामना की। पूरे मंदिर परिसर और आसपास की गलियां जय माता दी के जयघोष से गूंजती रहीं। भीषण भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस व प्रशासन को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं पुजारियों ने भी लगातार श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन कराने में अहम भूमिका निभाई। सुरक्षा व्यवस्था के तहत बड़ी संख्या में पुलिस व पीएसी बल तैनात रहा।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह सम्पादक
डा. सुशील चन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
राधेश्याम मिश्रा आईएएस (रि)
विवेक वार्ष्णेय आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

गर्मी में सूडान घास बढ़ाएगी किसान की आय, दुग्ध उत्पादन में होगी वृद्धि

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

झांसी। गर्मी के दिनों में किसानों की आय बढ़ाने और दुधारू पशुओं के लिए पौष्टिक हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी के प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुशील कुमार सिंह ने गर्मी के मौसम में सूडान घास की खेती अपनाने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि यह ज्वार जैसी दिखने वाली पौष्टिक चारा फसल है, जिसमें 8.5 से 12 प्रतिशत तक प्रोटीन पाया जाता है। डॉ. सिंह ने बताया कि सूडान घास को भूसे के साथ मिलाकर पशुओं को खिलाने से दूध उत्पादन में 15 से 18 प्रतिशत तक वृद्धि देखी गई है। इसकी बुवाई मार्च के अंतिम सप्ताह से अप्रैल के प्रथम सप्ताह तक करना उपयुक्त रहता है। एक एकड़ के लिए 3 से 4 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है तथा कतार से कतार की दूरी 25 से 30 सेंटीमीटर रखनी चाहिए। उन्होंने बताया कि बुवाई के 15 दिन बाद पहली सिंचाई करें और 55 से 60 दिन बाद पहली कटाई करें, जब पौधा 3 से 3.5 फीट ऊंचा हो जाए। इसके बाद 20 किलोग्राम यूरिया का प्रयोग कर 10-12 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें। एक फसल से लगभग चार कटाई संभव है। प्रमुख प्रजातियों में ज्वार-सूडान संकर, रेड सूडान ग्रास, सीओ-1 व ब्लैक सीओएफ-36 शामिल हैं। उचित प्रबंधन से प्रति एकड़ 250 से 450 कुंतल हरा चारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने किसानों से वैज्ञानिक खेती अपनाकर आय बढ़ाने की अपील की।

नवरात्र की नवमी पर शीतला चौकिया धाम और मैहर में श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। चैत्र नवरात्र की नवमी पर शुक्रवार को देवी मंदिरों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। शीतला चौकिया धाम और मां शारदा पीठ मैहर मंदिर परमानतपुर में भोर से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। श्रद्धालुओं को एक से दो घंटे इंतजार के बाद ही दर्शन मिल सके। मंदिरों में सप्तशती के श्लोक गूंज रहे थे, वहीं घट-घड़ियाल और शंख ध्वनि से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। नवरात्र के नौवे दिन महागौरी स्वरूप का पूजन किया गया। मां को कड़ाही चढ़ाने के साथ ही मुंडन आदि संस्कार भी संपन्न हुए। शीतला चौकिया धाम परिसर भोर से ही मां के जयकारों से गूंज उठा। सुबह साढ़े चार बजे मां के पट खुलते ही दर्शन के लिए लालायित श्रद्धालु उमड़ पड़े। सिटी स्टेशन रेलवे क्रॉसिंग के पास काली मंदिर और विसर्जन घाट स्थित नवदुर्गा मंदिर में भी दिनभर श्रद्धालु उमड़ते रहे। सुजानगंज के देवी मंदिरों पर भी भारी संख्या में भक्तों ने पूजन-अर्चन कर मां का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसी दौरान प्रभु श्रीराम का भव्य जन्मोत्सव भी मनाया गया, जिसमें कन्याओं का पूजन किया गया। श्री मां शारदा शक्तिपीठ मैहर देवी मंदिर में नवरात्र के पावन अवसर पर परिसर भक्ति भाव से सराबोर दिखा। मंदिर ट्रस्ट द्वारा नवरात्र के दौरान प्रतिदिन प्रसाद स्वरूप हलवा वितरित किया गया। ट्रस्टी रविकांत जायसवाल ने इस व्यवस्था की देखरेख की।

टेंपल इकोनॉमी और धार्मिक सांस्कृतिक उत्सवों से पर्यटन क्षेत्र में संगम नगरी को मिली बड़ी पहचान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। विश्व प्रसिद्ध प्रयागराज मे योगी सरकार ने धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन की नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं । सरकार ने 9 साल में प्रयागराज भी पर्यटन के नक्शे में नई धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन की नई पहचान बना है। इसमें महाकुम्भ के पूर्व यहां बनवाए गए मंदिरों के कॉरिडोर की अहम भूमिका है। प्रयागराज से जोड़कर विकसित हुए पर्यटन के पांच आध्यात्मिक कॉरिडोर इसके सारथी बने हैं।

शुक्रवार को प्रयागराज के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने 'हिंदुस्थान समाचार' को बताया कि प्रयागराज की पहचान एक धार्मिक और आध्यात्मिक शहर के रूप में की जाती रही है। क्षीण हो रही इस पहचान को उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने संबल प्रदान किया। महाकुम्भ 2025 के दौरान यहां पांच प्रमुख पर्यटन कॉरिडोर और मंदिरों के कॉरिडोर के विकास ने पर्यटन के अंतरराष्ट्रीय नक्शे में प्रयागराज को स्थापित कर दिया । प्रयागराज में तैयार हुए मंदिरों के 8 कॉरिडोर ने यहां आने वाले पर्यटकों के लिए पर्यटन के विकल्प प्रदान कर दिए । संगम के निकट हनुमान मंदिर कॉरिडोर, अक्षयवट मंदिर सरस्वती कूप कॉरिडोर और भारद्वाज आश्रम कोरिडोर इसमें प्रमुख हैं। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा का कहना है कि शहर की वैदिक पहचान द्वादश माधव मंदिरों में 12.34 करोड़ की लागत से बुनियादी संरचना का विकास और सौंदर्यीकरण किया गया। इसी क्रम में 19.01 करोड़ की लागत से शहर के अंदर और बाहर के 11 प्राचीन मंदिरों का कायाकल्प किया गया । इसके बाद पर्यटकों के लिए प्रयागराज पर्यटन का बड़ा डेस्टिनेशन बन गया। प्रयागराज के प्राचीन और पौराणिक मंदिरों का कायाकल्प करने के साथ सरकार यहां पर्यटन सुविधाओं का विकास कर रही है। पर्यटकों की इन प्राचीन पौराणिक मंदिरों तक रीच बढ़ाने के लिए जिले के दस मंदिरों में पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। इसके अंतर्गत जिन मंदिरों को शामिल किया गया है उसमें फतेहपुर घाट का भद्रेश्वर महादेव मंदिर, प्रयागराज का भोलेगिरी मंदिर, करछना का फलाहारी बाबा मंदिर, जमुनीपुर का ऐंद्री धाम, पंचदेवरा का दुर्गा मंदिर धाम, देवली का श्री बजरंग आश्रम धाम, हंडिया बरोत का भैल नाथ मंदिर, मऊ आइमा का शिवाला मंदिर , कोरांव का शंकर मंदिर और प्रयागराज का बोलन महादेव मंदिर शामिल है। इनके लिए 1367.87 लाख की प्रशासकीय संस्तुति मिल चुकी है। इसके लिए 564 लाख का बजट जारी भी हो चुका है । प्रयागराज में महाकुंभ , कुंभ और माघ मेले जैसे आयोजित होने वाले धार्मिक उत्सवों के आयोजन ने पर्यटन को सतत गति प्रदान की है। महाकुंभ 2025 में शुरू हुए कई प्रोजेक्ट ने पर्यटन को सतत गति प्रदान की। महाकुम्भ में पर्यटन विभाग की तरफ से 21 करोड़ की लागत से यमुना नदी में बोट क्लब में शुरू किया गया वाटर लेजर शो अगले अर्ध कुंभ तक जारी रहेगा। इसी तरह 25 करोड़ की लागत से जिले के 6 पर्यटन स्थलों में दी गई फसाड लाइट की व्यवस्था भी आगे जारी रहेगी। इसी का परिणाम है कि प्रयागराज में 2017 के पहले पर्यटकों की जो रीच 2 फीसदी थी आज यह 5 गुना बढ़कर 10 फीसदी हो गई है। महाकुंभ-2025 में अगर प्रयागराज में 66.30 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन ने इसे नई पहचान दी तो माघ मेला- 2026 में 22 करोड़ से अधिक का फुटफॉल एक रिकार्ड बन गया।

बलिया में बनेगा महर्षि भृगु कॉरिडोर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

■ 50 करोड़ की लागत से बदलेगी धार्मिक पर्यटन की तस्वीर

बलिया। उत्तर प्रदेश के जनपद बलिया में धार्मिक और पर्यटन विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से महर्षि भृगु कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी मिल गयी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बलिया के महर्षि भृगु मंदिर कॉरिडोर परियोजना को 50 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। यह परियोजना श्रीकाशी विश्वनाथ धाम की तर्ज पर विकसित होगी। परियोजना लगभग 10,520 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में विकसित होगी, जो पवित्र गंगा नदी को ऐतिहासिक ददरी मेला क्षेत्र से जोड़ेगी। मुख्य राजस्व अधिकारी त्रिभुवन ने बताया कि यह कॉरिडोर विशेष रूप से श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है। भृगु मंदिर क्षेत्र में हर वर्ष कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर पांच लाख से अधिक श्रद्धालु गंगा स्नान और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। वहीं, ददरी मेले के दौरान यह संख्या 50 लाख के पार पहुंच जाती है। इसके अलावा गुरु पूर्णिमा, दीपावली और होली जैसे प्रमुख त्योहारों पर भी यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। कॉरिडोर बनने से इन सभी को बेहतर आवागमन और सुविधाएं मिल सकेंगी। परियोजना को अंतिम रूप देने के लिए मुख्य राजस्व अधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति ने भृगु कमेटी, चित्रगुप्त कमेटी और स्थानीय पुजारियों के साथ बैठक कर सुझाव लिए हैं। समिति में नगर मजिस्ट्रेट, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता, सदर उपजिलाधिकारी और नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कॉरिडोर का आर्किटेक्ट प्लान तैयार हो चुका है। नगर पालिका की परिसंपत्तियों और विद्युत विभाग के शिफ्टिंग खर्च का आकलन भी कर लिया गया है। परियोजना के लिए बजट का प्रावधान शासन स्तर पर किया जा चुका है। इसमें परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका बताई जा रही है। महर्षि भृगु कॉरिडोर के निर्माण से बलिया को एक नई धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान मिलेगी। यह परियोजना न केवल आस्था का प्रमुख केंद्र बनेगी, बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा देगी। इसके माध्यम से बलिया एक ऐसे शहर के रूप में उभरेगा, जहां प्राचीन परंपराओं और आधुनिक सुविधाओं का सुंदर संगम देखने को मिलेगा।